Sl. No. 366

A-DTN-K-JM-10

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt ALL questions.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili (Devanagari Script) unless otherwise directed.

In the case of Question No. 3, marks will be deducted if the précis is much longer or shorter than the prescribed length.

1. निम्नलिखित विषयमे सँ कोनो एक विषय पर लगभग *300* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(क) की कानून 'मानरक्षा हत्या'कें रोकि सकैत अछि?

(ख) खाद्य मिलावटक खतरा

(ग) अन्धविश्वास बनाम तर्कपरकता

(घ) शिक्षा आ सामाजिक परिवर्त्तन

(ङ) की सूचनाक अधिकार अधिनियम स्वच्छ एवं न्यायपूर्ण प्रशासन सुनिश्चित कऽ सकैत अछि?

2. निम्नलिखित गद्यांशकें ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अन्तमे देल गेल प्रश्न सभक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त होयवाक चाही : 10×6=60

सौर ऊर्जा, जे सम्पूर्ण ऊर्जा नवीकरणक हिस्सा अछि, प्राचीन इन्धन पर हमरा सभक निर्भरता कम करवाक एकमात्र रास्ता अछि। पुरान इन्धन किछु समयोपरान्त अधिक महग आ विरल होभय जा रहल अछि। सौर ऊर्जाक उपयोग हमरा पृथ्वी ग्रहक पर्यावरणीय संतुलन आ 'ग्रीनहाउस'क प्रभावकेँ कम करवाक एकमात्र कुंजी अछि। सौर ऊर्जाक उपयोगी गुणक बावजूदो एखनतक, नहि तऽ एकर व्यापक स्तर पर व्यवहार कैल जा रहल अछि आ ने पुरान इन्धनक विकल्पक रूपमे एकरा स्वीकृति प्राप्ति भऽ रहल छैक। एकर कारण छैक, प्रौद्योगिकीक अपेक्षाकृत अधिक महग हैब। एकरा प्रौद्योगिकीमे युगान्तकारी सुधार कैल जा रहल अछि, जे एकरा दरमे कमी आनि रहल अछि। निश्चित रूपमे चाहे मंद गति सँ ही सही, एकरा एक व्यवहार्थ विकल्प बना रहल अछि। सरकार द्वारा प्रवर्त्तित 'जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रिय सौर मिशन' एहि दिशामे एक धारणीय तथा ऊर्जाक स्वच्छ स्रोतक प्राप्तिक आदर्शवादी कदम अछि।

सौर ऊर्जाक क्षेत्र रोजगार सृजित करवाक दिशामे आशा जगबैत अछि। ई शोध क्षेत्रमे एवं प्रौद्योगिकीक नव विधानमे भारी निवेश करैत छैक तथा रोजगारक दिशामे उच्च आ विशेषज्ञक पद सृजित करैत छैक।

यद्यपि विद्युत उत्पादनमे भारत विश्वमे छठम स्थान पर अछि तथापि भारतमे एखनो गंभीर विद्युत संकट अछि। सौर ऊर्जेटा विद्युत संकट घटा सकैत अछि। ई सम्पूर्ण परिस्थितिजन्य तंत्रक गठन करैत ऊर्जाक उत्पादनक क्षेत्रमे मांगक बढ़ोत्तरी करत। आजुक अत्यधिक मांगवला सौर पद सौर ऊर्जा यंत्र स्थापना आ अभियांत्रिकीय परिरूप विधिक क्षेत्रमे अछि। एहि उद्योगक

विकासक लेल आवश्यक अछि जे नव कौशलक वृद्धिद्वारा उत्पादनक दाममे कमी कय तथा व्यापारक दामक संतुलन सँ मूल्यमे कमी आनल जाय।

(क) हमरालोकनिकेँ पुरान इन्धन पर अपन निर्भरता कम कियाक करवाक चाही?

(ख) सौर ऊर्जाक उपयोगक की लाभ अछि?

(ग) सौर ऊर्जाक प्रयोग एतावधि लोकप्रिय कियाक नहि बनाओल गेल अछि?

(घ) सौर ऊर्जाकेँ सामान्यजनक पहुँचक क्षेत्रमे आनवाक हेतु की की कैल जा रहल अछि?

(ङ) हमरालोकनिक युवाक हेतु उच्च पद, सौर ऊर्जा क्षेत्रमे कोना उपलब्ध कराओल जा सकैत अछि?

(च) सौर ऊर्जा कोन प्रकारे कम महग कैल जा सकैत अछि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्या सँ एक-तिहाई शब्द संख्यामे प्रस्तुत करू। शब्द-सीमाक पालन नहि भेला पर अंक काटल जा सकैत अछि। संक्षेपण फराक सँ देल गेल कागज पर करू एवं ओकरा नीक जेकाँ उत्तर पुस्तिकाक संग बान्हि लिअ : 60

यदि कलाक प्रत्येक विशेष युगकेँ अभिव्यक्त करवाक अछि तऽ निश्चित रूप सँ ओकरा बीतल युगक सीमाकेँ तोड़य पड़तैक आ पुरान कल्पनाक सीमा आ मानसिकताकेँ झटका देबय पड़तैक। जीवन एक सतत प्रवाह अछि। ओकर गति क्रान्तिक प्रक्रियाक काल त्वरित होइत अछि जखन परिवर्त्तन तेज आ आमूलचूल होइत अछि। एहन समयमे सामाजिक आवश्यकता अग्रगामी सांस्कृतिक प्रवृत्तिक हेतु दबाव बनबैत छैक—एक तरहेँ पुरान जड़िकेँ ढील करैत जे पुरान प्रारूप आ नवजनम लयवलाक मध्य एक द्वन्द सृजित करैत अछि।

प्राचीन संस्कृतिक समर्थक परिवर्त्तन सँ डरि जी तोड़ि प्रयास सँ यथास्थितिमे रहबाक यत्न करैत छथि। ओ स्वयं अपनाकेँ नैतिक मूल्य आ सभ्यताक संरक्षक घोषित कऽ दैत छथि एवं नहि आवयवला प्रत्येक प्रवाहकेँ टालैत रहैत छथि। एकरा परिवर्त्तनक समर्थक नहि चाहैछ। ओ लोकनि पुरान मान्यता आ नियमक अवज्ञा करैत छथि। सामाजिक परिवर्त्तनक प्रत्येक आकृति एक सांस्कृतिक प्रारूपक मांग करैत अछि। जे अपन आवश्यकताकेँ स्वयं व्यक्त करैत अछि। जेना कि 'प्राचीन' जकरा विगत युगमे रचल गेल छल आब नव शक्ति आ नव तकनीकक उपयोग नहि कऽ पाबि रहल अछि एवं अपन स्थापित धारणामे नव आदर्शकेँ प्रतिबिम्बित नहि कऽ सकैछ। एहि संदर्भमे पुरान संस्कृतिक समर्थक असांस्कृतिकेटा नहि बर्बरतापूर्ण तरीका सभकेँ अपनाबैत छथि, जकर ओ स्वयं एक समय उपेक्षा आ भर्त्सना कैने छलाह। जखन कोनो शक्ति प्रगतिशील नहि रहि पबैत अछि ओ दमनकारी बनि जाइत अछि। नवीने समाजटा संस्कृति आ विज्ञानक प्रत्येक शाखामे कलाकारकेँ सम्पूर्ण विकासक हेतु अवसर प्रदान कऽ सकैत अछि।

आजुक समयमे अव्यवस्थित समाजक कारणेँ जीवन संश्लेषण टूटि चुकल अछि। जाहिमे प्रत्येक शाखाक गतिविधि एक-दोसरा सँ अलग भऽ गेल अछि। दार्शनिक वैज्ञानिक सँ अलग भऽ गेल अछि। कलाकार ईंजिनियर सँ तथा एक अथवा सब अविभक्त जीवनक महान स्पंदमान जालकेँ झटकि अलग भऽ गेल अछि। जखन कि प्रत्येक संतुलन सौन्दर्य आ पूर्णताक रेखाकेँ जोड़यवला कारक अछि। उदाहरणार्थ एखन यांत्रिक यंत्रो रूढ़ गणितीय रेखामे विषादमय हवा आ धुआँकेँ अचेतन आवेगहीनक कर्त्ता नहि मानल जाइत अछि। ओकरा सामान्य रूप सँ नीचाँ धरती आ उपर महाव्योमक समाने स्वीकार कैल जाइछ। जेना कि प्राचीन पुराणक कथामे नैपुण्य आ जीवन्तताकेँ गतिमान आ नायकत्वपूर्ण वृत्त स्वीकार कैल गेल अछि। यंत्र आई मनुष्य अंगक विस्तार बनि गेल अछि। ओ देखबैत अछि जे मनुष्य निसर्ग पर अपन वर्चस्व स्थापित कैल अछि। यैह तत्त्व आदि पर ओकर

विजय अभियानक गाथा अछि। इहो लड़ाई मनुष्येक समान पुरान अछि। ई संघर्ष परिपूर्ण सौन्दर्य, लय, संगीत एवं रंग सँ भरल पूरल अछि।

अगर मनुष्य अपना कमजोरी सँ यंत्र के स्वयं पर प्रभुत्व देने छथि तऽ ई यंत्रक दोष नहि थिक, जकर सृजन स्वयं मनुष्य कैने अछि। ओकरे द्वारा बनाओल गेल अछि आ नष्टो कैल गेल अछि। परनिंदाक भूख स्वयं मनुष्येकें ग्रसित कऽ लेत। रेडियो केवल मनुष्यक फेफड़ाक ध्वनि विस्तारक अछि, टेलीफोन ओकर कानक। हवाईजहाज पर आँखि टेढ़ करब आ खड़खड़ाइत ग्रामीण बैलगाड़ीक गीत गायब कवित्वक प्रति न्यायो नहि थिक। ई केवल दकियानुसी साम्प्रदायिकता थिक। हइर एकटा युगान्तकारी आविष्कार अछि जेना कि ट्रेक्टर अछि। नव उपकरणकें गढ़वाक मानवक अक्षय प्रतिभाक उपेक्षा करब परिवर्त्तनक नियमक उपेक्षा करब थिक। कोनो कलाकार एहन उपेक्षाक सामर्थ नहि जुटा सकैछ। ''एक कलाकार जैविक प्रयोजनक समान उत्पादन करैत अछि।'' एहन मान्यता छैक प्रख्यात मेक्सिकोवासी कलाकार रिवेरा डियागोक ''जेना एकटा वृक्ष फूल आ फल दैत अछि आ वर्ष भरिक पत्र पतन पर विलाप नहि करैत अछि।'' ओ जानैछ जे नव मौसममे ओ पुनः फुलायत आ फल देत। कलाकें सिर्फ की थिक सँ नहि चित्रित करवाक अछि। अपितु की हेतैक सामान्य आकांक्षाकें जे मिलावटी अछि, ने सिर्फ हताश करयवाली पराजयकें बल्कि रूपान्तरित करयवाली संभावनाकें अभिव्यक्त करैछ।

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

The world does not need extraordinarily talented people. It does not need highly skilled people either. It has plenty of super-intelligent people. We need ordinary people with extraordinary motivation. M. K. Gandhi was an ordinary man with amazing motivation to establish truth and justice. The Wright brothers were ordinary people with a dream of flying.

You can also achieve exceptional results if you are inspired with a higher ideal. Replacing 'inspiration' with 'information' has led to knowledge being viewed as drudgery rather than as pleasure. Education has degenerated to data being transmitted from teacher to the taught without igniting the minds of the young with a higher purpose.

How many of us wake up inspired, looking forward to a day of service? Who among us finds exhilaration in contributing to society? Life changes magically from boredom to excitement when you are inspired to serve. You redefine norms and achieve the impossible, paving the way to outstanding success. You find happiness at work, not in escaping from it. Most importantly, you evolve spiritually and attain Godhood.

Inspiration gives ordinary people the courage and hope to make life better for themselves and for the posterity. Find inspiration and life will transform into an exciting adventure of self-discovery.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

आई विज्ञानक सामाजिक दायित्वक हेतु बाजैत हम ओहि चीजक लेल सेहो बाजब जे युवाक हेतु अपेक्षाकृत आसान अछि परन्तु उम्रदराज लोकक समझमे कठिन। कारण जे युवा एक गुण सँ सम्पन्न अछि जे सामान्य रूप से किछु साल बाद शिथिल पड़ि जाइत अछि। ओ अछि कल्पनाशीलताक गुण। कल्पनाशीलता एहन गुण अछि जे विज्ञानक अपरिहार्य अंग अछि आ नैसर्गिक रूप सँ युवाकेँ प्रदत्त अछि। दुखद बात ई अछि जे बढ़ैत उमरक संग ई गुण सुखा जाइत अछि। तथापि ई गुण थिक जकर आजुक अपना सभक संसारकेँ प्रचुर मात्रामे जरूरत अछि।

गत तीन सदी सँ विज्ञानक खोज समाज पर अपन प्रभाव छोड़ने अछि परन्तु सामान्यतः लोक ई नहि बुझलैक जे हमरा सभद एहि विश्वकेँ ओ कोना प्रभावित कैलक। ओ लोकनि एकर परवाह नहि कैलनि। न्यूटनक समय सँ मनुष्यकेँ बोध भेलैक कि प्रौद्योगिकी, जे कि विज्ञानक खोज पर आधारित अछि, प्रचुर आराम आ लाभ लेल जा सकैछ। तखन लोक जानव आरम्भ कैलन्हि जे विज्ञानक संसर्ग सँ बनल दबाई सँ चिरायु जीवन जील जा सकैत अछि।

लियोनार्दो द विंशिक समय सँ लोक सभ सराहना कैलन्हि जे विज्ञान युद्धमे विजय प्राप्तिक भौतिक सहयोगी बनि सकैत अछि। जेना-जेना साल बीतैत गेल एक प्रौद्योगिक भौतिकवाद विकसित भेल। नव-नव उद्योगक ज्ञानक मांग खूब तेजी सँ बढ़ल। अधिक सँ अधिक लोक वैज्ञानिक आ तकनीकी विशेषज्ञ बनय लगलाह।

6. (क) संज्ञाक परिभाषा अपना शब्दमे लिखू तथा संज्ञाक कतेक भेद अछि, सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) उपसर्ग आ प्रत्ययमे की भेद अछि? दोनहुक परिभाषा लिखैत उदाहरण प्रस्तुत करू। 10

(ग) निम्नलिखित मुहावरा ओ लोकोक्ति सबमे सँ मात्र पाँचक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू : 4×5=20

(i) ओझा लेखेँ गाम बताह

(ii) छोट मुँह पैघ बात

(iii) चलय न आबय आंगन टेढ़

(iv) भूत बेताल जेकाँ

(v) गामक गाछी भुताह

(vi) अन्हेर नगरी चौपट राजा

(vii) लूटि लायब खूब खायब

(viii) राम नाम सत होयब

(ix) डपोरसंख

(x) जान छैक त जहान छैक

★ ★ ★

CS (MAIN) EXAM, 2011

Serial No.  **F–DTN–L–SAD–J**

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

*Candidates should attempt **ALL** questions.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

*Answers must be written in **Maithili** (Devanagari Script) unless otherwise directed.*

*Prescribed word limit must be followed for Q. No. 3. The precis must be attempted **only** on the special precis sheets attached to this question paper. These precis sheets are to be carefully detached from the question paper and securely attached to the answer book.*

---

1. निम्नलिखित विषय मे सँ कोनो एक विषय पर लगभग **300** शब्द मे निबंध लिखू :— 100

(क) राजनीति आ व्यक्तिगत नैतिकताक प्रश्न !

(ख) सामाजिक विकास लेल मुख्य प्रेरक के-धर्म आ कि विज्ञान ?

(ग) सभ लेल भोजन : हमर सबहक प्रजातांत्रिक प्रणाली लेल एकटा चुनौती !

××

(घ) त्वरित गतिक संस्कृति हड़बड़ी आ अपराधवृत्ति कें जन्म दैत अछि !

(ङ) कृत्रिम बुद्धि, मानव बुद्धिक विकल्पक रूप मे !

2. निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अंत में देल गेल प्रश्नक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त हेवाक चाही :— 6×10=60

हमरा सभ औद्योगिकताक तीव्र दौर सँ गुजरि रहल छी आ अपन उद्योग मे बेसी सँ बेसी संख्या मे नोकरी से हो दऽ रहल छी। भारत मे एकर कोनो महत्व नहि रहि गेल अछ जे अहाँ जाहि विशेष कार्य कें करवा लेल चाहैत छी ओकर विषय मे कतेक जनैत छी, अहाँ किनका जनैत छी से बेसी महत्वपूर्ण अछि ताकि रोजगार भेटवा मे अहाँ ओहि प्रभाव केर उपयोग कऽ सकी। लोग ई नहि सोचैत अछि जे नीक परिणाम लेल योग्यता कतेक आवश्यक अछि। हमर सबहक शिक्षा मे उत्कृष्टताक विकासक सुनिश्चित महत्व अछि मुदा, हम यदि उत्कृष्टता कें मोजर नहि दैत छी तँ एहि सँ योग्यताक अवमानना होयत अछि। एहि कारण हमर शिक्षा-पद्धति एक दिसि तँ विषाक्त आ दूषित भऽ रहल अछि एवं दोसर दिसि सामाजिक शिक्षाक लेल आंदोलन प्रारम्भ करवाक इच्छाक गर घोंटि देल जायत अछि।

जखन कोनो पुलक निर्माण कयल जाइत अछि आकि सड़क बनाओल जाइत अछि तँ बौल, सीमेन्ट, चून आदिक उचित मिश्रण लेल एकटा निश्चित अनुपातक अनुसरण कयल जाइत अछि जाहि सँ सड़कक निर्माण नीक सँ भऽ सकय आ बेसी काल धरि स्थायी रहि सकय ! मुदा, हमर अनुभव एहि विषय मे हमरा सभ कें एकर अधोगतिक कथा सुनवैत अछि, जखन हमरा ज्ञात होइत अछि जे कोनो बाँध में कटैया लागि गेल आ कि कोनो सड़क बरखाक पानि मे बहि गेल।

(Contd.)

ई विषय गुणवत्ता नियंत्रण सँ जुड़ल अछि जकर संबंध खाली भौतिक सामग्री सँ नहि मुदा, मनुख आ ओकर अपन उत्तरदायित्वक ज्ञान सँ सेहो अछि। अभाग्यवश हमर प्रजातांत्रिक व्यवस्था किछु एहेन परिस्थितिक निर्माण करैत अछि जाहि मे योग्यता कें व्यवस्थित रूप सँ उपेक्षित कयल जायत अछि आ लोगबाग बजैत छथि जे एहि देश मे गुणक कोनो महत्व नहि। एहि बात सँ मोने इएह भाव अबैत अछि जे एहि ठाम योग्यता, कार्यक्षमता आ नैतिक औचित्य कें कोनो मोजर नहि दऽ लोकसेवाक कोनो पद प्राप्त कयल जा सकैत आ सार्वजनिक काज सेहो कयल जा सकैत अछि।

(क) एहि देश मे लोग नीक रोजगार पएबाक हेतु की सोचैत अछि ?

(ख) हम योग्यताक प्रति सम्मान करून स्खलित कऽ दैत छी ?

(ग) योग्यताक प्रति असम्मानक दुष्परिणाम की होयत छैक ?

(घ) जखन हम आन लोगक उत्तरदायित्व-बोध केर सम्मान नहि कऽ सकैत छी तँ एकर की परिणाम होयत छैक ?

(ङ) योग्यता, कार्यक्षमता आ उत्तरदायित्वक प्रति उपेक्षाक की कारण भऽ सकैत अछि ?

(च) गद्यांश में रेखांकित वाक्यांशक अर्थ अपन भाषा मे समझाबू।

3. निम्नलिखित गद्यांशक करीब **190—210** शब्द मे संक्षेपण तैयार करू। शब्द-सीमाक उल्लंघन भेला पर अंक कटि जायत। अपन संक्षेपण फराक सँ देल कागत पर लिखू आ ई संक्षेपण **150** शब्द सँ कम आ **250** शब्द सँ नम्हर भेला पर अंक एकदम्मे नहि देल ना सकैत अछि :— 60

हम ओहि समय लगभग सात बरखक होयब जखन हमर पिता राजस्थानिक न्यायालयक सदस्य बनवा लेल पोरबंदर सँ राजकोट चलि ए लाह। ओहि ठाम हमरा प्राथमिक पाठशाला मे भरती करा देल गेल। ओहि पाठशाला मे हमरा पढ़वऽ वला शिक्षक

सबहक नाम एवं अन्य विशेषता हमरा नीक जकाँ मोन अछि। जहिना पोरबंदर मे छल व एह सभ तँ एहि ठामो हमर पढ़ाईक विषय मे कोनो खास उल्लेखनीय गप्प नहि छल। हम तँ औसत प्रतिभाक एकटा विद्यार्थी मात्र छलहुँ। एहि पाठशाला सँ हम एकटा उपनगरीय पाठशाला में गेलहुँ आ ओहि ठामसँ हाईस्कूल। तखन धरि हम बारह बरखक भऽ गेल छलहुँ। हमरा मोन नहि पड़ैत अछि जे एहि थोड़बा काल मे हम अपन अध्यापक आ कि सहपाठी सँ कहियो फुसि बाजल होयब। हम बड़ लजकोटर छलहुँ। सभ तरहक लोग सँ काते रहैत छलहुँ। हमर पोथी आ हमर पाठ हमर एकमात्र संगी छल। ठीक समय मे स्कूल गेनाय आ स्कूल बंद होयतहि घर भागि कँ आबि जायत छलहुँ। ई हमर प्रतिदिनक हिस्सक छल। सरि पहुँ, हम केकरो सँ गप्प नहि कऽ सकैत छलहुँ तैं भागि के घर आबि जायत छलहुँ। हमरा एहि बातक भय सेहो होयत छल जे केओ हमर उपहास नहि करऽ लागैक।

एकटा घटना बड़ उल्लेखनीय अछि जे हमर हाईस्कूलक पहिलुक बरख मे घटल छल। शिक्षा निरीक्षक मिस्टर जाइल्स निरीक्षण लेल आयल छलाह। वर्त्तनी अभ्यास (spelling exercise) लेल ओ हमरा सभ कँ पाँच शब्द लिखवा लेल देलनि। एहि मे सँ एकटा शब्द छल 'Kettle'। हम ओकर वर्त्तनी गलतिए लिखि देने छलौं। हमर अध्यापक अपन जूताक द्वारा हमरा ओहि शब्द कँ ठीक करबाक लेल संकेतक प्रयास केलनि। मुदा, ओ सहायता नहि लेवाक छल। ई गप हमरा बुझवा मे नहि आबि रहल छल जे ओ चाहैत छलाह जे लग मे बैसल छात्रक स्लेट सँ नकल कऽ अपन गलती ठीक कऽ ली।

हम तँ इएह बुझैत छलहुँ जे अध्यापक सभ नकल करवा सँ रोकवा लेल हमर सबहक निरीक्षण करैत छथि। परिणाम ई भेल जे हमरा छोड़ि सभ विद्यार्थीक लिखलाहा प्रत्येक शब्दक हिज्जे सही पाओल गेल। एकटा हम हीं बेकूफ बनि रहि गेल हुँ। बाद मे शिक्षक महोदय हमर एहि बेकूफीक लेल हमरा समझएवाक

(Contd.)

xx

प्रयत्न केलनि। मुदा, हमरा पर एकर कोनो प्रभाव नहि पड़ल। हम नकल करवाक कला कहियो नहि सीखि सकलहुँ।

एहेन नहि जे एहि घटना सँ हमरा अपन अध्यापकक प्रति सम्मान एकदम्मे कम भऽ गेल होय। हमर स्वभावे एहेन छल जे हम आन कैं दोख नहि दैत छलहुँ। बाद मे एहि अध्यापक महोदयक कतेको दुर्बलताक पता लागल मुदा, हुनका प्रति हमर सम्मान पूर्ववत छल।

हम अपना सँ पैधक आज्ञाक पालन करवा लेल सीखने छलहुँ ओकर विश्लेषण कहियो नहि कयल हुँ—आ इएह कारण छल।

एहि कालावधि सँ जुड़ल दुई टा आर घटना हमर स्मृति मे अक्षुण्ण रहल। विद्यालय लेल निर्धारित पोथीक अतिरिक्त आर किछु पढ़वा मे हमरा अरुचि रहैत छल। प्रतिदिनक निर्धारित अध्ययन तँ हमरा करवाके छल कारण जे हमरा अध्यापक द्वारा दंडित भेनाय ओतवे नापसिन्न छल जतवा कि हुनका धोखा देनाय! एहि कारण हम बड़ मनोयोग सँ अपन पाठ पूरा कऽ लैत छलहुँ। जखन कि हमर पाठे सम्यक रूप सँ पूर्ण नहि होयत छल तँ अतिरिक्त अध्ययनक प्रश्ने कतऽ छल ? मुदा, हमर पिताजी द्वारा कीनल एकटा पोथी पर हमर दृष्टि निक्षेप भेल, ओ पोथी छल 'श्रवण पितृ-भक्ति नाटक' (अपन मातापिताक लेल श्रवणक भक्ति-भाव केर नाटक) हम बड़ गहीर भऽ कऽ ओ पोथी पढ़लहुँ। ओहि समय हमरा ओतऽ घूमंतू कलाकार आयल छलाह। ओ हमरा चित्र सभ देखेलन्हि जाहि मे एकटा चित्र श्रवण केर छल जे अपन कान्ह पर राखल झोराक मदति सँ अपन आन्हर माता-पिता कें तीर्थयात्रा पर लऽ जा रहल छलाह। ई पोथी आ ई चित्र हमरा पर अभूतपूर्व प्रभाव छोड़लक। हम स्वयं सँ बाज लहुँ ई एकटा एहेन उदाहरण थीक जकर नकल हमरा करवाक चाही'। श्रवणक मृत्यु पर हुनक मातापिताक करुण रोदन एखनहुँ हमर स्मृति मे सजल अछि। द्रवित करऽ बला ओकर धुन हमरा अन्तरतम धरि प्रभावित केलक आ एहि धुन कें हम पिताजी द्वारा कीनल बाजा पर बजओने छलहुँ।

(Contd.)

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिली मे करू :— 20

Tulasidas's imagery covers a vast range. No poet of medieval period — not even his great contemporary Surdas — can vie with Tulasidas in respect of the infinite variety of imagery employed by him. He has collected his images from peasant life, court life, priestly environments, rural and civic life, philosophical treatises, literary classics, mythological works and folk literature. His poetry is a vast gallery of all kinds of images ranging from exquisite miniature paintings to large frescoes. Normally he likes simple and integrated images, but is quite capable of creating complex imagery as well. What he seems to abhor is a truncated image of which we can hardly search out a single example. His whole poetic creation is an endless endeavour to give a concrete tangible form to the abstract — to impart physical charms and mental qualities of human personality to an absolute concept. Actually the very conception of Personified Godhood is a grand exercise in image-making. In this context, what is of special relevance to the modern reader in Tulasidas's art is his unconventional approach to literary-cultural tradition and religion. A number of poets in other Indian languages have also produced great literature in this regard, but Tulasi appears to have surpassed them all.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजी मे करू :— 20

ई सर्वविदित अछि जे विश्वक निर्माण, विकास आ रक्षा प्रकृति

(Contd.)

पर निर्भर छैक आओर प्रकृतिक निर्माण आ रक्षा में वृक्ष, बोन, लत्ती, पादप, गुल्म, तृणक बड़ पैघ महत्व छैक। सरिपहुँ, मनुखक अस्तित्व वृक्षे, बोन आदि पर आधारित अछि। गाछ बीरीछ माटिक मुख्य रक्षक सेहो अछि। ओ अन्हड़-बिरड़ो केर वेग कें रोकैत अछि आ माटि कें उड़वा सँ बचबैत अछि।

गाछ बीरीछ पहाड़क क्षरण कें सेहो रोकैत अछि एवं ओकरा स्थिर राखवा मे समर्थ अछि। जंगले सँ माल-जाल, चिड़ै चुनमुनक रक्षा होयत अछि आ 'पारिस्थितिक' संरक्षण से हो। बरखाक कारणो इएह थीक। जाहि ठाम गाछ बेसी होयत छैक, बरखो ओहि ठाम बेसिए होइत छैक। मुदा, मरुभूमि ओहि बरखालेल तरसि जायत छैक। बरखा सँ अनाजक उत्पादन सेहो संभव होइत छैक। अन्ने पर तँ मनुक्ख जीवित रहैत अछि।

नाना प्रकारक गाछ बीरीछक पात सभ खाय माल-जाल सेहो जीवित रहै'छ। गाछहि सँ हमरा सभ कें जारन आ घर बनेवा लेल लकड़ीक जोगार सेहो होयत अछि। रेलगाड़ी, पानिक जहाज, हवाईजहाज आदिक निर्माण करवा लेल गाछ-बीरीछ सँ प्राप्त लकड़ी सेहो उपलब्ध होइत अछि।

नाना प्रकारक दवाय, गोंद, क़ागत, सलाइ संगहि भाँति भाँति केर रसगर आ पौष्टिक फल-फलहारिक अक्षुण्ण स्रोत अछि गाछ-बीरीछ। गाछक शीतल छाहरि मे हमरा सभकें घाम-पसेना सँ मुक्ति भेटैत अछि। एकर फूलक सुरभि हमर सबहक मोन मस्तिष्क मे नव ऊर्जा सेहो भरैत अछि।

6. (क) सर्वनामक परिभाषा अपन शब्द मे लिखू तथा सर्वनामक कतेक भेद अछि, सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) अनेक शब्दक बदला एकटा शब्द लिखू मात्र **पाँच** टा चुनिकें :— $2 \times 5 = 10$

(i) जे माटिक बरतन बनवैत अछि

(ii) कम बाजयबला

(iii) जकरा मे स्वार्थक भावना होय

(iv) जे बहु बजैत अछि

(v) कम खरच करय बला

(vi) जाहि मे कोनो गुण नहि

(vii) नीचा लिखल

(viii) जे मीठ बजैत अछ

(ix) जकरा संतान नहि अछि

(x) जकर मुँह मे बाजब नहि।

(ग) निम्नलिखित मोहावरा मे सँ कोनो **पांचक** अर्थ स्पष्ट करैत वाक्य मे प्रयोग करू :— 4×5=20

(i) बड़ बड़ गेला तँ मोछ बला एला

(ii) तामसे माहुर भेनाय

(iii) मियाँ बुझलक पियौज

(iv) डुमरिक फूल

(v) घाह पर नोन छीटब

(vi) बहिरा नाचे अपने ताल

(vii) नाच ने जाने तँ अंगने टेढ़

(viii) चान उगब

(ix) जान ने पहिचान बड़का मियाँ सलाम

(x) बावनं हाथक अंतड़ी।

Sr. No.

F–DTN–L–SAD–J

अपना अनुक्रमांक इन पत्रकों पर न लिखें

DO NOT WRITE YOUR ROLL NO. ON THESE SHEETS

MAITHILI
(Compulsory)

सार लेखन के लिए विशेष पत्रक

SPECIAL SHEETS FOR PRECIS

इस पत्रक के दोनों ओर लिखिए। प्रत्येक खण्ड में एक शब्द और प्रत्येक पंक्ति में पांच शब्द लिखिए। अपने उद्धरण में सामान्य रूप से विराम आदि चिन्ह लगाइए और यदि आवश्यक हो तो प्रत्येक पैराग्राफ के अन्त में एक पंक्ति खाली छोड़ते हुए इसे पैराग्राफों में विभक्त कीजिए। यदि चाहें तो उत्तर-पुस्तिका के साधारण कागज पर पहले एक कच्चा प्रारूप तैयार कर सकते हैं। अपनी उत्तर-पुस्तिका दे देने से पहले कच्चे कार्य को आर-पार पंक्ति डालकर काट दिया जाना चाहिए। आप सारपत्रक को अपनी उत्तर-पुस्तिका के अन्दर सुरक्षित रूप से बांध दीजिए।

Use both sides of this sheet. Write one word in each division and five words in each line. Punctuate your passage in the usual way and divide it into paragraphs, if necessary, leaving a line blank at the end of each paragraph. You may make a rough copy first, if you so wish, on ordinary paper in the answer-book. The rough work should be scored through before you hand over your answer-book. You should fasten the precis sheet securely inside your answer-book.

शीर्षक Title					इस हाशिए में न लिखें Do not write on this margin

					70
					80
					90
					100
					110
					120
					130
					140
					150
					160
					170
					180

					190
					200
					210
					220
					230
					240
					250
					260
					270
					280
					290
					300

Sl.]

E–DTN–M–JMD–10

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt ALL questions.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili (Devanagari Script), unless otherwise directed.

Prescribed word limit must be followed for Question No. 3. The précis must be attempted *only* on the special précis sheets provided separately. These précis sheets are to be securely attached to the answer-book.

Important Note

Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

1. निम्नलिखित विषयमेसँ कोनो **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(क) भारत : व्यापारिक विकासक एक बढ़ैत क्षेत्र

(ख) हमर महानगर महिला सभक लेल कतेक सुरक्षित अछि?

(ग) वन-जीवक संरक्षण ओ प्रबन्धन

(घ) भारतमे व्यावसायिक शिक्षा

(ङ) फिल्मक मिथकीय संसार

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अन्तमे देल प्रश्नक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त भाषामे होएवाक चाही : 10×6=60

पाठकक बहुसंख्या या त' क्षणिक मनोरंजनक लेल पढ़ैत अछि या फेर ओहि विश्रान्तिक लेल जे पुस्तक हुनका प्रदान करैत छनि। दोसर शब्दमे ओ सामान्यतः समयकटबाक लेल पुस्तक पढ़ैत छथि। समय जेना कि हमेशा आँकल जाइत अछि एक विरल वेशकीमती खजाना अछि। एहि वेशकीमती खजानाकेँ पाठकगण व्यर्थमे खर्च कए दैत छथि। अविश्वसनीय सन लगैत अछि कि समय वा काल पाठकक उपर बहुत भारीपनसँ लादल रहैत अछि आओर फेर ओ खोज कए पबैत छथि। समयक ओहि अतिरिक्त बोझसँ छुटकाराक, जकर हुनका आवश्यकता छनि, ई पुस्तके दिआ सकैत अछि। एतेक त' पर्याप्त स्पष्ट अछि जे ओ कोनो दोसर प्रयोजनक हेतु नहि पढ़ि सकताह। यदि ओ एहन करताह त' ओहि पढ़बसँ हुनका अपना लेल किछु हासिल भए सकैत छनि। मुदा एहन कोनो संकेत नहि अछि कि पढ़बाक कोनो अन्य प्रयोजन हो। पढ़लासँ हुनका पर किछु प्रभाव अवश्य पड़ैत होएतनि मुदा ओहि प्रभावक सम्बन्धमे ओ अनभिज्ञ छथि। प्रभाव लाभप्रद भए सकैत अछि, निर्णायक भए सकैत अछि—ई निष्कर्ष हम नहि बहार कए सकैत छी, एकर प्रमाण इएह अछि जे पढ़बाक कारणेँ ओ

अपना संग कोनो एहेन वस्तु नहि लए जएताह जे बादमे कहि सकथि जे हुनकालोकनि अमुक चीज पढ़ने छथि।

(क) लोकक द्वारा पुस्तक सभ पढ़बाक कारणक सम्बन्धमे लेखक की कहैत छथि? अधिकांश लोक पोथी कियैक पढ़ैत छथि?

(ख) लेखक एहेन कियैक अनुभव करैत छथि जे पाठक अपन समयक मूल्यक आकलन नहि करैत छथि?

(ग) एहि तथ्यक संकेत की अछि जे पाठकक समयक सही उपयोग नहि भेल?

(घ) पढ़ब समाप्त कएलाक उपरान्त लेखकक की अपेक्षा छनि जे पाठकगण की करथि?

(ङ) असजग पढ़बाक प्रति लेखकक प्रतिकूल दृष्टिकोण कियैक छनि?

(च) लेखक केहन लक्ष्यक पाठक चाहैत छथि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्यासँ एक-तिहाई शब्द संख्यामे प्रस्तुत करू। शब्दसीमाक अन्तर्गत संक्षेपण नहि कएल गेला पर अंक काटल जा सकैत अछि। संक्षेपण फराकसँ देल गेल कागज पर करू आ ओकरा नीक जकाँ उत्तर-पुस्तिकाक संग बान्हि लिअ : 60

पानि पृथ्वीक धरातलीय क्षेत्रक 70% भागमे सामान्य रूपसँ पर्याप्त मात्रामे पाओल जाय वला पदार्थ अछि। वैश्विक पानिक उपलब्धि 1·386 बिलियन क्यूबिक किलोमीटर अछि जाहिमेसँ 97% नुनगर पानि अछि आओर मानव उपयोगक हेतु उपयुक्त नहि अछि। शेष मात्र 3% पानि स्वच्छ ओ पीबाक योग्य अछि। मुदा ओकर 68·5% पानि ग्लेशियरक हिमशीर्ष ओ शाश्वत बर्फमे अछि जे मानव उपयोगक हेतु उपलब्ध नहि अछि। लगभग 30% धरातलीय पानि अछि जकर 0·9% नदी, झरना ओ

झीलमे अछि। हम अधिकांशतः 70 क्यूबिक किलोमीटर स्वच्छ पानि पर प्रतिदिन निर्भर करैत छी जे हमरा नदी, झरना आ झीलक अन्तःस्रोतसँ प्राप्त होइत अछि ओ प्रतिदिन 70 क्यूबिक किलोमीटर पानि भूगर्भ मध्यस्थ जलाधार होइत बहैत अछि। एहि प्रकारक सुविधा आदिकालसँ निरन्तर प्राप्त भए रहल अछि। मुदा पछिला किछु दशकसँ खासकए घरेलू आवश्यकता, खेती ओ औद्योगिक गतिविधिक कारणेँ पानिक माँग तेजीसँ बढ़ैत जा रहल अछि। 1940 मे जखन संसारक जनसंख्या 2 बिलियन छल, प्रतिवर्ष पानिक आमद प्रतिव्यक्ति 1000 क्यूबिक मीटर धरि सीमित छल। 2000 धरि जनसंख्या 6 बिलियनक आँकड़ा पार कए गेल छल आओर प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष खपत 6000 क्यूबिक मीटर बढ़ि गेल जाहिसँ जलप्राप्तिक संसाधन पर अतिरिक्त दबाव पड़ए लागल, खासकए सघन जनसंख्या वला क्षेत्र आ ओहि स्थान पर जाहिठाम पानि बहुत कम अछि। कृषि 70%, औद्योगिक क्षेत्र 22% आ घरेलू क्षेत्र 8% पानिक खपतक आँकड़ा दर्ज करैत अछि। स्वच्छ जल विश्वक जनसंख्याकेँ तेजीसँ बढ़ए आ पीबा योग्य पानिक माँग बढ़एक कारण अप्राप्त संसाधन बनए जा रहल अछि। प्रतिवर्ष कुल उपलब्ध पानिक आधा हिस्सा प्रयोगमे आबि रहल अछि। ई 2050 धरिक जनसंख्याक माँग बढ़लाक कारणेँ 74% धरि बढ़ि सकैत अछि। जँ सभ स्थानक लोक सामान्य अमेरिकावासी जकाँ पानिक खर्च करए लगताह जे पानिक खर्चक सम्बन्धमे जे अपने अधिक खाउलोक छथि, तखन उपयोग 90% बढ़ि सकैत अछि।



स्वच्छ जलकेँ रेखांकित करए वला पक्ष ई अछि जे ओकर उपलब्धता सम्पूर्ण संसारमे समान रूपसँ विभाजित नहि अछि। पानिक भरपूर स्रोतक अनेक देश अछि संगहि पानिक उपलब्धताक लेल अनेक गरीब देश सेहो अछि। प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति उपलब्धता यदि ग्रीनलैण्डमे 10767 मिलियन क्यूबिक मीटर अछि त' कुवैतमे ओ मात्र 10 क्यूबिक मीटर अछि। भारतमे 1951 मे प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति पानिक उपलब्धता 5177 क्यूबिक मीटर



छल जे 2001 मे घटि कए 1820 क्यूबिक मीटर रहि गेल अछि। 2001 मे त' भारत गरीब देशक श्रेणीमे आबि गेल छल। 2025 धरि प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति खपत 1340 क्यूबिक मीटर धरि घटिकए आबि जएतैक।

विश्वक अनेक पैघ ओ ओकर सहायक नदी सभ एकसँ अधिक देशक बीचसँ बहैत अछि। उदाहरणक लेल गंगा आ ओकर सहायक नदी नेपाल, भारत आ बंगलादेश होइत बहैत अछि। सिन्ध ओ ओकर सहायक नदी सभ त' भारत आ पाकिस्तान होइत बहैत अछि। देन्यूब जाहिठाम जर्मनीसँ बहार होइत अछि अस्ट्रिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया, सर्बिया, रोमानिया, बल्गारिया, माल्देविया ओ यूक्रेन भए बहैत अछि। जाम्बेजी नदी जाम्बिया, अंगोला, नामेबिया, बोट्सवाना, जिम्बावे आ मोजाम्बीक भ' कए बहैत अछि। मिस्रक जीवनधारा नीलक उद्गम आठ देशमे अछि— सूडान, इथियोपिया, केन्या, रवांडा, बुरूण्डी, युगाण्डा, तंजानिया आ जायरे। जखन कोनो एक नदी एकसँ अधिक देश भए बहैत अछि तखन अनेक विवाद जन्म लैत अछि। एहेन विवाद ईसापूर्व 3000 वर्षसँ दक्षिण आ मध्यएसिया, मध्ययूरोप तथा मध्यपूर्वक क्षेत्रमे उठैत अछि। कृषि, उद्योग आ घरेलू उपयोगक हेतु पानिक माँग बढ़िते जा रहल अछि। एहिसँ सम्बन्धित विवाद सेहो गम्भीर स्थितिक जन्म दैत अछि आ कखनो काल कए ई आक्रामक रूप ग्रहण कए लैत अछि।



एकहि देशमे बहए वाली नदी सभक पानिक हिस्सा-बखरामे स्थानीय आ क्षेत्रीय स्तर पर संवेदनशील समस्या अछि। गौतम बुद्ध (563–483 ईसापूर्व) के शाक्य ओ कोटिया सभक बीच रोहिणी नदीक पानिक हिस्सेदारीक हेतु हस्तक्षेप करए पड़ल छलनि।



4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

I remember my father starting his day at 4 a.m. by reading the namaz before dawn. After the namaz, he used to walk down to a small coconut grove we owned, about 4 miles from our home. He would return, with about a dozen coconuts tied together thrown over his shoulder, and only then would he have his breakfast. This remained his routine even when he was in his late sixties.

I have throughout my life tried to emulate my father in my own world of science and technology. I have endeavoured to understand the fundamental truths revealed to me by my father, and feel convinced that there exists a divine power that can lift one up from confusion, misery, melancholy and failure, and guide one to one's true place. And once an individual severs his emotional and physical bondage, he is on the road to freedom, happiness and peace of mind.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजीमे करू : 20

अस्पतालक उदय अत्यन्त प्राचीन समयमे भेल होएत, ईसाई काल-गणनासँ बहुत पूर्व, एहि तथ्यमे एहन मानल जाइत अछि जे अस्पतालक उदय यूनान, मिस्र आ भारतमे भेल। विश्वक अनेक देशमे आब अनेक पैघ सर्वरोगोपचारी अस्पताल अछि जाहिठाम सभ प्रकारक समस्या पर ध्यान देल जाइत अछि आ ओहिठाम सभ प्रकारक प्रशिक्षण एवं शोधक साधन उपलब्ध अछि। आब त' छोट-पैघ अनेक महत्त्वपूर्ण संस्था सभ अछि जे विशेष

प्रकारक बीमारी सभक कारगर उपचार करैत अछि। किछुएक त' स्वयंकें बच्चा आ स्त्रीक लेल समर्पित कएने अछि। ब्रिटेन आ संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे त' अस्पतालमे रोगोपचारक हेतु राज्य वा नगर निकाय सहयोग राशि प्रदान करैत अछि। एहन प्रकारक पद्धतिसँ नहि मात्र कार्य होइत बाधा दूर भेल भेल अछि अपितु वित्तीय कठिनाईकें कएल गेल अछि जे सम्पूर्ण समुदायक कष्ट निवारण कएलक अछि। एहिसँ उर्जाक सदुपयोग सम्भव भए सकल अछि। संगहि एहि विधि द्वारा एक प्राणहीन, यांत्रिक, आत्मविहीन दिनचर्या एवं कार्य-कुशलताक घटैत स्तर संकटकें कम कएल जा सकैत अछि जे उर्जस्वी आलोचना आ बेकारखर्च पर लगाम नहि लगौल जएवाक कारणें बढ़ैत अछि।

6. (क) समास ककरा कहल जाइत अछि? समासक भेद सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) निम्नलिखित शब्दमेसँ कोनो **पाँचक** विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) चिरंतन

(ii) तामसिक

(iii) आयात

(iv) संधि

(v) कनिष्ठ

(vi) प्रसारण

(vii) अनुग्रह

(viii) अभिज्ञा

(ix) नश्वर

(x) सुदूर

(ग) निम्नलिखित मोहावरा ओ लोकोक्तिमेसँ कोनो **पाँचक** अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू : 4×5=20

(i) आगिमे घी ढारब

(ii) पैरमे तेल लगाकए सूतब

(iii) ठेला पड़ब

(iv) बावन हाथक अतड़ी

(v) लंका छोट हाथ उनचास

(vi) अस्सी मोन पानि पड़ब

(vii) बिनु पेनक लोटा

(viii) कागजी घोड़ा दौड़ाएब

(ix) बाड़ीक पटुआ तीत

(x) फूलिकए तुम्मा होएब

★ ★ ★

A-BRL-M-NBJC

C.S.(M) 2013

MAITHILI
(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in **Maithili** unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

Q.1. **प्रत्येक विषय पर 300 शब्दमे निबंध लीखू :—** **50×2=100**

Q. 1(a) व्यक्ति कृतिसँ जीबैत अछि, जीवनकालसँ नहि। 50

Q. 1(b) समय पर न्याय मिलने बिना कोनो समाज स्थिर नहि रहि सकैत अछि। 50

Q.2. **निम्नलिखित अंशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ू आ तकरे आधार पर निम्नांकित प्रश्नक स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त उत्तर दिअ :—** **6×10=60**

"पत्रकारक वैचारिक मतभिन्नता प्रशासन लेल सुविधाजनक साधन अछि। एकर अर्थ ई जे प्रेसशक्तिक स्वर विविधताक कारणेँ छिड़िआ गेल छैक, बंटि गेल छैक। जोरसँ बाजब महत्वपूर्ण नहि, श्रोताक संख्या जकरा सुनाओल जाइत छैक, से समाचार पत्रक प्रभावी होयबाक सही मापदण्ड छैक। प्रेस-शक्ति एकटा कपट/छलावा थिकै और ई ने त समाचार पत्रक बिकीसँ पाइ कमाइ बलाक थिकै, आ, ने त ओकर जे सर्वाधिक प्रचार-प्रसारक बल पर अर्थ कमाइ अछि। प्रचार-प्रसारमे योगदान जनता द्वारा देल जाइत छैक आ, एही दुर्बलताक लाभ ओ उठबैत अछि आ तकरा बढ़ावा दैत छैक। सिनेमाक बौक्स-आफिस अपील लेल ई आवश्यक छैक। सिनेमा हौल धरि दर्शककेँ धीच क' ल' जायबला चरित्र बहुमुखी होइत छैक जे दर्शक केँ देखाओल जाइछ। सिनेमाक

व्यावसायिक सफलता बिल्कुल अलग छैक, ओकर अपूर्वता आ संगहि कलात्मकता आ इन्स्ट्रूमेंटलक सटीक प्रदर्शनक सन्दर्भमे। फिल्मक बनावट/सजावट प्रशंसाक हकदार छैक जे सामान्य दर्शकसँ प्राप्त नहि होइत छैक। ई प्राप्त होइत छैक, आ से भेटैत छैक खास-विशिष्ट दर्शकसँ, जकर संख्या कम छैक। एहि खास विशिष्ट व्यक्तिक चुनाव करब आ तकर प्रशंसा प्राप्त होयब कठिन छैक, संघर्षपूर्ण छैक, ओकर तुलनामे जे आम दर्शक सिनेमाकेँ मनोरंजन लेल देखैत छैक। समाचारपत्र आ प्रकाशकक ई आन्तरिक उद्देश्य होयबाक चाही जे ओ दोसर वर्गक लोककेँ शिक्षित-विकसित करय। दुनूक लेल एके प्रकारक प्रयास कयल जयबाक चाही। प्रलोभनसँ ऊपर उठब दुनूक लेल समान अछि।''

प्रश्न :

Q.2(i) लेखक कोन दू वस्तुक मध्य तुलना क' रहल छथि ? 10

Q.2(ii) समाचार पत्रक प्रति जनता कोन तरहेँ प्रतिक्रिया अभिव्यक्त करय जे ओकरा लेल विचारशील छैक ? 10

Q.2(iii) लेखक 'इक्विपमेंट'क रूपमे कोन वस्तुक संकेत-सन्दर्भ दे रहल छथि ? 10

Q.2(iv) लेखकक विचारमे समाचार पत्रक लक्ष्य की होयबाक चाही ? 10

Q.2(v) लेखक कोन कोटिक व्यक्तिसँ सहमत नहि छथि ? 10

Q.2(vi) कोन अधलाह प्रवृत्ति समाचार पत्रक गुणवत्ताकेँ प्रभावित क' सकैत छैक ? 10

Q.3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्यासँ एक तिहाइ शब्द संख्यामे करू। गद्यांशक शीर्षक दैने आवश्यक नहि छथि। शब्द सीमाक अन्तर्गत नहि रहला पर अंक काटल जा सकैत अछि :— 60

एहि समकालीन विश्वमे राष्ट्र आ राष्ट्र-राज्यक (nation and nation-state) अवधारणा मध्य बहुत पैध आ सर्वव्यापी भ्रम व्याप्त छैक। राष्ट्र-राज्यकेँ परिभाषित करब अपेक्षाकृत आसान छैक — ओ विश्व राजनैतिक संगठनक एकटा आधारभूत इकाई छैक। ओ सभ प्राय: सार्वभौम देशक समरूप अछि, ओ सभ एहन इकाई अछि जकरा युनाइटेड नेशन्सक सदस्यता प्राप्त छैक, अंग्रेजीमे ओकरा सभक लेल देश शब्दक प्रयोग कयल जाइत छैक। ई सुविधाजनक होयत यदि हम सभ सोझ शब्दमे ओकरा स्टेट्स (States) कहो, किन्तु ई शब्द दुर्भाग्यसँ किछु देशक छोट इकाई यथा राज्य-प्रान्तक लेल व्यवहृत होइत छैक, ने कि राष्ट्र-राज्यक (nation-state) लेल।

राष्ट्र-राज्य आ सार्वभौम राज्यकेँ एक दर्जा देब स्पृहणीय अछि, किन्तु ई गलत धारणा उत्पन्न क' सकैत अछि, कारण एहि आधुनिक दुनियामे सार्वभौमिकताकेँ उच्च प्रकृतिक प्रवहमान गति द' देल गेल छैक। वस्तुत: प्रत्येक राष्ट्र-राज्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनक समक्ष किछु सीमा धरि आत्मसमर्पण क' देने अछि, एहि संस्था सभकेँ छोड़िओदी त' यू. एन. (U.N.) एकटा अभूतपूर्व उदाहरण अछि एतय जे अपन अधिकार ल' लेलक, लेकिन अधिकार दैत नहि अछि — एहि प्रकारक किछु राज्यसँ सम्बन्ध सम्पर्क बनौने राखबाक लेल एक कठोर आ संगठित व्यूह रचना छैक जे अपन प्रभुत्व प्रदर्शन द्वारा अनुबन्ध कराबैत छैक। एक दिस तकर परिणाम ई होइत छैक जे खास-खास पैध स्टेट्सकेँ अत्यधिक आ व्यापक स्तरक प्रभुत्व द' दैत छैक। दोसर दिस कइयेक छोट स्टेट्स शक्तिशाली पड़ोसी देश आ अन्तर्राष्ट्रीय संगठनक छत्रछायामे आबि जाइछ और स्वतंत्र क्रिया-कलापक वस्तुत: कोनो अवकाश/मार्ग नहि रहि जाइत छैक।

अधिकांश राष्ट्र-राज्य स्वयंकेँ 'नेशन्स' रूपमे उल्लेख करैत छथि, तखन कियेक नहि हमहूँ सभ हुनका ओ ही रूपमे ली आ कही जे नेशन-स्टेट्स आ नेशन्स दुनू एके थीक। ई संभव नहि थिक कियेक त' ओ ध्यान हटयबाकु लेल ई सभ करैत छथि, नेशन-स्टेट्सक वैधानिक रूपसँ परिभाषित अस्तित्व छैक आ नेशन एकटा जनसंख्या थिकै। जखन कि आधुनिक जनसंख्या जे स्वयंकेँ नेशन रूपमे स्वीकार करैत अछि आ सामान्यत: नेशन-स्टेट्सक रूपमे एकटा राष्ट्रक क्षमता-योग्यता प्राप्त कर' चाहैत अछि, एक नेशनक परिभाषा रूपमे जे दावा चाहैत अछि, ओकर अपन नेशन-स्टेट्स अत्यधिक नियंत्रित छैक, अधिकांश प्रतिक्रिया व्यक्त कयनिहार स्वीकार करताह जे पूर्वक सोवियत युनियनक अधिकांश युनियन रिपब्लिक, जेना कि जौर्जियन्स, लिथुआनिन्स आ यूक्रेनियन्स रिपब्लिक्सक पूर्वेसँ स्वतंत्र राष्ट्र रहय और ओ सभ जनसंख्या जे सुपरिभाषित क्षेत्रक स्टेट्स अछि, जेना कि स्कौटलैण्ड, ओ बहुमतसँ विचार करैत छथि जे हुनका सभकेँ नेशन स्टेट्स (nation-states) प्राप्त छथि और हुनका सभकेँ ओही रूपमे स्वीकृति भेटय। दोसर रूपमे एकरा कहब जे स्वायत्तता अथवा स्वतंत्रताक लेल इच्छा करब पर्याप्त अछि।

यद्यपि राजतंत्र सतही तौर पर प्राचीन आ आधुनिक नेशन-स्टेट्सकेँ एकरूपता दैत अछि। सहस्राब्दि पूर्व विश्वक किछु भागमे जेना कि चीन, भारत आ मेडिटेरेनियन बेसिन, ई सभ संगठन मूलरूपमे बहुत प्राचीन भू-भाग छल जे विशिष्ट द्वारा संचालित छल। ई सभ पूर्वक राजतंत्र विकसित भेल आ आधुनिक नेशन-स्टेट्स द्वारा विस्थापित कयल गेल, एखनहुँ शनै: शनै: आधुनिक काल धरि पहचान जीवित अछि ऑस्ट्रो-हंगेरियन, रशियन और ऑटमन शासक जे 1917/1918 धरि जीवित रहि सकलाह, ओ सभ निश्चित रूपसँ वंशवादी शासक रहथि, जतिक जनसंख्यामे सामूहिक राष्ट्रीय पहचान/अस्तित्वक भाव नहि रहैक और सोवियत यूनियन शासक जे 1991 इस्वी धरि वास्तविक अर्थमे कइयेक परम्पराकेँ जीवित रखलनि, कइयेक देशकेँ संवैधानिक रूपसेँ संगठित-एकत्रित राखलनि। सम्प्रति आइओ कइयेक उदाहरण प्रस्तुत करब संभव छैक जतय कि नेशन-स्टेट्स और नेशन्समे योगायोग नहि छैक। अनेक राष्ट्रक सरकार वस्तुत: अपन-अपन नेशन-स्टेट्स राजतन्त्रकेँ नेशन्स रूपमे उल्लिखित करैत छथि, कइयेक राष्ट्र जनसंख्योकेँ धारण करैत तकरा प्रख्यापित कयल, जे राष्ट्रीय पहचानक रूपमे स्वीकृत नहि छैक, ब्रिटेनमे बहुत स्कॉट और वेल्स अनुभव करैत छथि जे ओ स्कॉटिश अथवा वेल्स छथि ने कि बिटिश अथवा हुनका स्कॉटिश-ब्रिटिश या वेल्स-ब्रिटिश राष्ट्रीयता छनि। अरब देशमे बहुत लोक ई अनुभव करैत छथि जे ओ अरब नेशनकवासी छथि, ने कि जेना अधिकांश अरब स्टेट्स स्वयंकेँ इराकसँ मोरक्को और साउथ यमन धरि जोड़ैत परिभाषित करैत छथि।

कइयेक व्यक्तिक लेल राष्ट्र या जाति सम्बन्धी पहचान ततेक मजगूत अछि जे ओ राष्ट्र द्वारा निर्धारित (state oriented) राष्ट्रीय पहचानकेँ समर्पित क' दैत छैक, ओ गौण म' जाइत छैक। एतय प्रथम अमेरिकन (First American) अथवा अफ्रिकनक राष्ट्र या जाति सम्बन्धी समूहक (tribes) उदाहरण देल जा सकैत छैक।

यद्यपि नेशन-स्टेट्स और नेशन्स एक नहि छैक, तथापि दुर घनिष्ठ रूपसँ जुडल छैक। एन्थनी स्मिथ (खासक' Smith 1991 देख्) राष्ट्रकेँ (nations) रूपमे विभक्त करैत छथि, जे मुख्यत: राष्ट्र या जाति सम्बन्धी रूपसँ विकसित भेल, स्वयंकेँ रूपान्तरित कयल, अपन राष्ट्र या जातीय स्वरूपकेँ आगाँ बढ़बैत एक

वृहत् जनसंख्या धरि पहुँचौलनि। और दोसर ओ जे अपन खास राष्ट्रीय भावकेँ राष्ट्रीय पहचान/अस्तित्व रूपमे विकसित कयल आ अपन विविधतासें परिपूर्ण जनसंख्याकेँ बहुत ऊपर धरि उठौलनि आ राष्ट्रीय परिवृत्त बनौलनि। (467 शब्द मे)

Q.4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू :— 20

Raman completed school when he was just eleven years old and spent two years studying in his father's college. When he was only thirteen years old, he went to Madras (which is now Chennai) , to join the B.A. course at Presidency College. Besides being young for his class, Raman was also quite unimpressive in appearance and recalls, '.....in the first English class that I attended, Professor E.H. Elliot addressing me, asked if I really belonged to the junior B.A. class, and I had to answer him in the affirmative'. He, however, stunned all the sceptics when he stood first in the B.A. examinations.

Seeing what a brilliant student he was, his teachers asked him to prepare for the Indian Civil Services (ICS) examination. It was a very prestigious examination and very rarely did non-Britishers get through it. Yet Raman had impressed his teachers so much that they urged him to take it up at such an early age. In spite of their student's brilliance, the plan was not to work. Raman had to undergo a medical examination before he could qualify to take the ICS test and the Civil Surgeon of Madras declared him medically unfit to travel to England ! This was the only examination that Raman failed, and he would later remark in his characteristic style about the man who disqualified him, 'I shall ever be grateful to this man,' but at that time, he simply put the attempt behind him and went on to study Physics.

Q.5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजीमे करू :— 20

टाकाकेँ कोनो रूपमे परिभाषित कयल जा सकैत अछि जे एक दो सराक हाथेँ सहजतासँ क्रय करबाक एक साधन थिक। बदलैन अथवा रूपैआक बदलामे वस्तु देबाक प्रथाकेँ टाकाक उपयोग द्वारा बदलि देल गेल छैक, जकर प्रक्रिया अत्यन्त असुविधाजनक आ कठिन रहैक वस्तुक समान मूल्यांकन ओ विनिमय करबाक लेल, संगहि लेमयबला आ देमयबलाक मध्य लेन-देनक सहमति होयब। विनिमयक सुविधा भेलासँ श्रमिकक श्रम वैशिष्ट्यकेँ टाका सहयोग करैत छैक, जे उत्पादनक आधार छैक, पैध पैमाना पर। टाका कोनो तत्त्वक रूपमे भ' सकै छ अथवा ओहि कोनो रूपमे जकरा कानून अथवा प्रथा-रेवाज द्वारा सहमति होइ, किन्तु एकटा आवश्यक तथ्य ई जे ओ सर्व व्यापक आ सहज रूपमे मान्य होइक। आदिम समाजमे एहि प्रकारक वस्तु सभ रहैक, यथा — मवेशी, शंख, चाउर, चाहक पत्ती — जकर उपयोग अदला-बदलीमे होइत छलैक, किन्तु आधुनिक सभ्य समाजमे प्राय: धातु अथवा कागतक उपयोग एहिलेल होइछ। ई सिक्का अथवा नोटक रूपमे अछि, मुद्राक रूपमे इयह स्पृहणीय छैक। कारण, ई राखबामे आसान टिकाउ, गुणवत्तामे एकसमान आ सभकेँ स्वीकार्य छैक। एहिलेल जे धातु मुख्य रूपसँ प्रयोग कयल जाइछ, ओ थिकै—सोना, चानी, तामा आ निकेल। नोट विभिन्न रूप आ तरीकासँ निर्गत कयल जाइछ।

एकर सभक अतिरिक्त विनिमयक एक माध्यम रूपमे रूपैआ/टाका गुणवत्ताक मापदण्ड थिक, अत: अन्य सभ गुणवत्ताक तुलनामे स्तरीय मानदण्डक रूपसँ अलगसँ अदायगीक लेल राशि — जेना कि ऋण राशि और राशिक संभरण रूपमे। एकटा मुख्य अन्तर छैक स्तरीय (standard) टाका आ टोकेन (Token) टाकामे, आ ओ ई छैक जे कोनो एक वस्तु जकर तुलना दोसरसँ कयल जा सकैत छैक, तकर मूल्यांकन करबाक हेतु। स्तरीय (standard) टाकाक मूल्य वस्तु पर निर्भर करैत छैक किन्तु टोकेन (token) टाका रूपैआक स्थितिमे कानून आ प्रथा-रेवाज द्वारा. निर्धारित अपन मूल्य ल' लैत छैक, एहि बातक ध्यान देने बिना जे एकर तात्त्विक मूल्य की होयतैक।

Q. 6. सभ प्रश्नक उत्तर दिअ :—

Q. 6(a) क्रियाक परिभाषा सोदाहरण लीखू। **10**

Q. 6(b) **पाँच शब्द पर्यायवाची शब्द लीखू :—** **2×5=10**

(i) शाश्वत 2

(ii) पर्यावरण 2

(iii) वन 2

(iv) सूर्य 2

(v) पृथ्वी। 2

Q. 6(c) **कोनो पाँच टाक अनेक शब्दक बदलामे एक शब्द लीखू :—** **2×5=10**

(i) जे तेल पेड़ैत अछि। 2

(ii) जे सभ जनैत अछि। 2

(iii) जकरामे बड़ गुण छैक। 2

(iv) बहुत तेज गतिसँ दौड़य बला। 2

(v) जे नहि सुनैत अछि। 2

Q. 6(d) **निम्नलिखितमे सँ कोनो चारि टाक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू :—** **2½×4=10**

(i) अलखक चान होयब। 2½

(ii) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू। 2½

(iii) कदुआ पर सितुआ चोख। 2½

(iv) ने तीन मे ने तेरह मे। 2½

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित कोनो **एक** विषय पर लगभग *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) राजनीतिमे स्त्रीगणक भूमिका

(b) की भारतकेँ चीनक अर्थ-व्यवस्थामे विकाससँ भयाक्रान्त रहबाक चाही?

(c) भारतीय समाजमे तलाकक स्वीकार्यतामे वृद्धि

(d) की कठोर कानून नैतिकताकेँ अवरुद्ध कए सकैछ?

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : 12×5=60

कतिपय शताब्दीपूर्व वैश्विक स्तर पर लोकक एक स्थानसँ दोसर स्थान पर प्रवासक प्रक्रिया प्रारम्भ भेल जखन मानवजाति समूहमे एक क्षेत्रसँ दोसर क्षेत्रमे अनेक कारणवश भ्रमण करय लागल जेना गोचर भूमिक अभाव किंवा एहन भूमि जाहि पर बिक्रीक लेल अन्नक उत्पादन नहि होयबाक कारणे आदि आदि। तेँ मानसिक अशान्ति अथवा अन्य प्रकारक अत्याचारसँ बचबाक हेतु, अपन आस्था ओ विश्वासक स्वतंत्रताक हेतु, अभिव्यक्तिक निरंकुशताक हेतु अथवा अपन सुख-दुःखक संगीक विछोहक दुःखसँ त्राण पयबाक हेतु स्थानान्तरणक योजना आवश्यक बुझि पड़लैक। परिणामस्वरूप एहि अप्रवासीलोकनिक अपन सांस्कृतिक धरोहरक सेहो स्थानान्तरण भेलैक, इयह ओकर तात्कालिक पूँजीक रूपमे नव-नव स्थानमे पल्लवित-पुष्पित होबय लगलैक। मार्गमे ओहि अप्रवासीवृन्दकेँ अन्य जनजातिसँ सम्मिलित होयबाक क्रममे किछु विरोधक अवसर सेहो अयलैक। युद्ध, व्यापार अथवा विवाह-सदृश कतिपय अवसर पर सामना सेहो करय पड़लैक तेँ प्रारम्भमे किछु दिन धरि तनावक स्थिति सेहो रहलैक मुदा कालान्तरमे शान्तिक स्थापना क्रमशः सेहो कलाकृतिक विकासक संगे होबय लगलैक। सम्बन्धक प्रगाढ़ता लेन-देनसँ बढ़य लगलैक। स्वाभाविक छैक जे कोनो संस्कृति अथवा एक समूहविशेषक सांगठनिक क्षमताक वृद्धि स्वतंत्र एवं शान्तिमय वातावरणेमे होइत छैक आ प्रत्येक वर्ग अथवा संगठनक विकास उत्तरोत्तर होबय लगैत छैक। तेँ ई संभव छैक जे मंगोलियन अलास्काक क्षेत्रमे प्रवेश कय गेल होयत आ तेँ ब्रिटेनमे संयुक्त रूपसँ नव संस्कृतिक उद्भव भेलैक आ लोकक समूह झुंड बनाकय एहन भूमि पर विस्थापित होबय लागल जे स्वीकृत नियमक अनुकूल छलैक। तेँ प्रायः कोलम्बस यूरोपीय देशक एही परिप्रेक्ष्यमे नेतृत्व करबाक अभियान वैश्विक खोजक रूपमे कयलनि। ओयह उपनिवेशीकरण अन्य राष्ट्र पर अधिकार प्राप्त करबाक साधन बनल एवं विजयी सम्राटक अधीन ओहने संस्कृतिक अनुरूप रहबाक बाध्यता सेहो भेलैक। आइ एक देशसँ दोसर देशमे अधिकांश प्रवास करबाक कारण अछि व्यापार आ व्यवसाय ई सभ उदाहरण अछि एक-दोसराक बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदानक कारणेँ संस्कृतिक मिश्रणक। प्रत्येक समूह अपन पूर्वजक संस्कृतिक रक्षा करय चाहैत अछि। अतीतक सुखद प्रसंगक स्मृतिमे विषादक भावना स्वाभाविक छैक मुदा एके-दू पुस्त वितला पर पूर्वजक ओ प्राचीन रंग-रूप नव रंग-रीतिमे आत्मसात भए जाइत छैक। संभव छैक जे अगिला किछु शताब्दीक बाद विश्वक प्राचीन संस्कृति-सभ्यताक विस्मरण भए जाइक कारण लोक जतहि बसैत अछि ताही ठामक गाछ-वृक्ष, पशु-पक्षी ओकरा प्रिय लागय लगैत छैक तेँ अपन प्राचीन संस्कृति विश्वक धरोहर

बनि जाइत छैक। किछु एहन कट्टर लोक अवश्य अछि जे ओकरा पर दोसर रंग नहि चढ़ैत छैक मुदा ई बन्धन आब अपरिहार्य नहि रहलैक अछि। लोकक दृष्टिकोण उदार भय रहल छैक, विश्व-बन्धुत्वक भावना उमरि रहल छैक तेँ भावनाक धरातल पर सेहो आब विश्वक दूरी समटा रहल अछि कारण कोनो पुरुष अथवा स्त्री एकान्तमे नहि रहि सकैत अछि ओ एक सामाजिक प्राणी अछि तेँ अपकेन्द्री अथवा अभिकेन्द्रीक नियम आब चलय बला संभव नहि लगैत अछि, किछु कालक हेतु भनहि ओ लागू होअय। अनगिनित पुस्त किएक ने प्रार्थना कयने होअय एहि अस्तित्वक रक्षाक हेतु, अपन विश्वास आ श्रद्धाक भावकेँ सुरक्षित रखबाक हेतु वाह्य प्रभावक विरोध किएक ने भेल होअय मुदा जेना हमरालोकनि नीक जेकाँ जनैत छी जे कतवो भावनात्मक आधार किएक ने होउक मुदा ओकर प्रभाव ककरो पड़य बला कथमपि नहि छैक भनहि ओ केहनो दुर्बल होअय। ओकरामे केहनो त्रुटि रहौक मुदा ओकर शरीरक जे 'डी० एन० ए०' अथवा 'आर० एन० ए०' छैक जो आब ओकरा स्वीकार नहि करतैक। आब ओकर शरीर आ आत्मा सरलतासँ प्रभावित होइत छैक जे विश्वमे केहन बसात बहैत छैक, लोक की बजैत अछि, ओ की करैत अछि तकर व्यापक प्रभाव सर्वथा स्वाभाविक छैक कारण अज्ञानतासँ डर उत्पन्न होइत छैक, डरसँ घृणा बढ़ैत अछि, घृणा आत्म-विश्वासकेँ नष्ट करैत अछि आओर अन्ततः तकर परिणाम होइत छैक विनाश आ मृत्यु। कतिपय प्राचीन संस्कृति एहि प्रकारक दुष्परिणाम भोगि चुकल अछि आ ओकर अन्त भ' चुकल छैक। जीवाक हेतु आनक संग रहब आवश्यके हेतैक भनहि ओ स्थान नर्क किएक ने होउक।

(a) प्रवास करबाक क्रममे नव स्थान पर सर्वप्रथम प्रवासीलोकनिकेँ एक-दोसराक संग वार्त्ता करबामे कोन-कोन समस्याक सामना करय पड़लैक?

(b) प्राचीन कालमे एक स्थानकेँ छोड़ि दोसर स्थान पर बसबाक की कारण रहैक? प्रवासक प्राचीन समयक कारण एवं आधुनिक कालक प्रवासक कारणमे की अन्तर छैक?

(c) विभिन्न संस्कृति कोना एक-दोसराक संग मिश्रित भ' जाइत अछि?

(d) कतिपय प्राचीन संस्कृतिक विलोप कोना भ' गेलैक अछि?

(e) लेखक कोन आधार पर कहैत छथि जे कोनो संस्कृतिक लेल ई संभव नहि छैक जे ओ असम्पृक्त रहि जाय?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मात्र एक-तेहाइ शब्दमे लिखू। शीर्षकक उल्लेख करबाक प्रयोजन नहि अछि : 60

जखन हम कोनो जीविकाक हेतु आवेदन दैत छी आ अपन आत्म-विवरणिका प्रस्तुत करैत छी, तँ हमरालोकनि सामान्यतया प्रयास करैत छी जे अपन प्रत्येक अनुभवक सद्गुण निवेदित कय दी, अपन समस्त पृष्ठभूमिक। अधिकांश लोक अपन त्रुटिक उल्लेखकेँ गुप्त रखैत छथि जे ओ अपन जीवनमे भोगने छथि आ मात्र सफलताक चर्चा जमि कय करैत छथि। जखन नियोजक एहि प्रकारक विवरणिका देखैत अछि, ओ प्रायः इयह अनुभव करैत छथि जे आवेदकमे तँ सब अपन पैघे लोकक वर्णन देखौने अछि। हमरालोकनि प्रयास करैत छी जे अपनाकेँ एहि रूपमे प्रस्तुत करी जे जीविका प्राप्त भए जाय।

एहि प्रसंग क्रीड़ा-जगतक एकटा रोचक आ सत्य घटना अछि। एकटा विश्वविद्यालयक टीम फुटबॉलक हेतु अभ्यास करैत रहय। एक गोटे 'लाइनमैन'क स्थान पर रहय। ई सभसँ अधिक तेज धावकक रूपमे जानल जाइत छल। एक दिन ई अपन कोचसँ पुछलक जे की ओ थोड़ेक दूर तेजसँ दौड़ि सकैत अछि? कोच ओकरा आज्ञा देलकैक।

ओ 'लाइनमैन' प्रतिदिन दौड़बाक लेल जाइत छल मुदा विलम्बसँ घुरैत छल। दिन-दिन एहिना दौड़ैत रहल, दिन-दिन पछुआ जाइत रहल। ई एहि लेल आश्चर्य नहि लगैत छलैक जे कोनो लाइनमैन तेज धावक नहि होइत अछि।

कोच एकर दिन-दिनक पराजय देखलाक बाद ओ मोनेमोन सोचलक जे आखिर ई लाइनमैन किएक एहिमे सम्मिलित होइत अछि जखन सभ दिन पछुआ जाइत अछि ई तँ भने लाइनमैनक भूमिकामे उपयुक्त अछि। कोच किछु दिन धरि निरीक्षण करैत रहल आ एक दिन ओकरासँ पुछबाक निर्णय कयलक। ओ लाइनमैनकेँ कहलकैक जे अहाँ तँ भने लाइनमैन छी, अहाँ तेज धावकक प्रतियोगी किएक बनैत छी? ओकरा ओहि लाइनमैनक उत्तर सुनि आश्चर्य भेलैक जखन ओ कहलकैक—''हम एहि ठाम लाइनमैनकेँ पराजित करबाक हेतु इच्छुक नहि छी, हम सेहो नीक जेकाँ ई बुझैत छी जे ई कार्य हमरा लेल बेसी सुलभ अछि मुदा हमरा तँ ई सिखबाक लालसा अछि जे कोना हम तेज धावक बनि सकैत छी आ अपने देखैत होयब जे हम कनेके कमसँ पछुआ जाइत छी।''

ई घटना आन्तरिक शक्तिक सूचक अछि। एहि संसारमे हमरालोकनि निरन्तर नीक बनबाक इच्छा रखैत छी मुदा हम अपनाकेँ जे बुझी ईश्वर सभ बुझैत छथि। भगवानो ओकरे सहायता करैत छथिन जे प्रयासरत रहैत अछि तेँ अपन सत्यकेँ ईश्वरसँ नुका कय नहि राखि सकैत छी। ओ फुटबॉल खेलाड़ी अपन त्रुटिक ज्ञान रखैत छल आ ओकरा सुधारवाक प्रयासमे लागल रहल। ओ इयह बुझलक जे ओ अपनाकेँ तखने सुधारि सकैत अछि जखन अपन दुर्बल पक्ष पर ध्यान केन्द्रित करत। तखने अपन दुर्बलता पर विजय प्राप्त कय सकैत अछि। ओहि व्यक्तिकेँ तेज धावककसंग प्रतियोगितामे सम्मिलित भेलासँ अपन दुर्बल पक्षक ज्ञान भेलैक आ ओकरा सुधार करबाक ओ प्रयास कयलक। ओकरा कोनो पुरस्कारक अभिलाषा नहि अपितु अपन त्रुटि-मार्जनक प्रबल लालसा रहैक। ओ तेज धावकक नीक गुणसँ प्रेरणा लेलक आ अपन क्षमतामे वृद्धि करबाक सफल प्रयास कयलक। तेँ जखन हम अपन त्रुटि पर ध्यान दैत छी तखन ओहिसँ नीक करबाक प्रेरणा भेटैत अछि। निरन्तर सत्प्रयाससँ असफलता कम आ सफलता दिशि लोक अधिक अग्रसर होइत अछि। एक दिन एहन अबैत छैक जखन त्रुटि समाप्त भ' जाइत अछि आ सफलताक उच्चतम शिखर पर लोक आरूढ़ भ' जाइत अछि।

तेँ हम अपन त्रुटिकेँ, दुर्बलताकेँ ईश्वरसँ नुका कय नहि राखि सकैत छी, ओ सर्वान्तरयामी छथि। जखन परमात्मा ई देखैत छथिन जे केओ अपन कर्त्तव्यक पालन दृढ़तासँ करैत अछि तँ ओहो ओकर सहायता करैत छथि, सभ अवगुण गुणमे परिवर्त्तित भ' जाइत छैक। तेँ यदि हम संघर्षरत छी तँ निश्चये एक दिन भगवानक कृपासँ सफलता प्राप्त होयबे करत। ईश्वर सर्वशक्तिसम्पन्न छथि आ सभक उन्नतिमे सहायक होइत छथि।

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

Most people involved in the film production industry know that there is a constant evolution. The change is in the way movies are made, discovered, marketed, distributed, shown, and seen. Following independence in 1947, the 1950s and 60s are regarded as the 'Golden Age' of Indian cinema in terms of films, stars, music and lyrics. The genre was loosely defined, the most popular being 'socials', films which addressed the social problems of citizens in the newly developing state. In the mid-1960s, camera technology revolutionized the documentary method by enabling the synchronized recording of image and sound. Today, CINEMA 4D users are free to create scenes without worrying about the size of objects or how many objects are in the scene, shaded settings, texture size, multipass-rendering or eye-catching particle systems.

Until the 1960s, filmmaking companies, many of whom owned studios, dominated the film industry. Artistes and technicians were either their employees or were contracted on a long-term basis. Since the 1960s, however, most performers went the freelance way, resulting in the star system and huge escalations in film production costs. Financing deals in the industry also started becoming murkier and murkier, since then. According to estimates, the Indian film industry has an annual turnover of ₹ 60 billion. It employs more than 6 million people, most of whom are contract workers as opposed to regular employees. In the late 1990s, it was recognized as an industry.

More money impacted the perception, visual representation, and definitions of reality. Like any other media of mass communication, the themes are relevant to their times.

Thus, filmmaking became more expensive and riskier. As opposed to the time of the Gemini Studio, when only 5 percent of a movie was shot outdoor, filmmakers often select overseas locations in order to create greater realism, manage costs more efficiently or source people and props. Filmmakers spend considerable time scouting for the perfect location.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजीमे करू : 20

हास्य लोकक क्षमता अथवा गुण अछि, वस्तु अथवा परिस्थिति जे आनन्दक भावनाकेँ उद्वेलित करैत अछि। ई मनोरंजनक एहन रूपकेँ प्रस्तुत करैत अछि अथवा मानवीय भावनाक आदान-प्रदानक एहन माध्यम अछि जे एहन संवेगकेँ जगबैत अछि जाहिसँ लोक हँसैत-हँसैत गदगद भ' जाइत अछि।

आलोचना तँ निर्णयक एक प्रक्रिया अछि अथवा सूचित कयल गेल व्याख्या। रचनात्मक समालोचना अभिव्यक्तिक एक प्रकार अछि जाहिसँ लोक अनकर व्यवहारमे सुधार अनबाक प्रयास करैत अछि एक अनधिकृत रीतिसँ, आओर सामान्यतया कूटनीतिक एहन पहुँच जाहिसँ समाजमे अनुचित कार्य नहि होअय, आ ई 'सृजनात्मक' अछि जे सर्वथा अपमान, अनादरक विपरीत जाहिमे आदेशक कोनो गंध नहि। एकर अभिप्राय होइछ सुधार एक शान्तिपूर्ण एवं सुहृत्सम्मित पद्धितसँ।

व्यंग्य तँ एक एहन यंत्र अछि जे समालोचक द्वारा प्रयुक्त कयल जाइछ। सामान्यतया एकर एक सुनिश्चित लक्ष्य रहैत छैक, ओ कोनो खास व्यक्तिक अथवा व्यक्तिसमूहक प्रति एक एहन धारणा अथवा एक एहन प्रवृत्ति, एक संस्था अथवा एक सामाजिक संस्थाक प्रति जे ओकर त्रुटि पर दृष्टि देब उद्देश्य होइछ। कारण व्यंग्य कखनो क्रोध आ हास्य दुनूकेँ बान्हि दैत अछि जे अधिक अधलाह लगैत अछि एवं निश्चितरूपसँ व्यंग्यात्मक होयबाक कारणेँ बेसीकाल एकर लोक अर्थ उनटा लगबैत अछि यद्यपि एकरा कटाक्ष कहल जाइत अछि।

ई एक प्रकारक कलात्मक रूप अछि जे मनुष्य अथवा व्यक्तिक दुराचार, व्यसन, विवेकहीन क्रियाकलाप, गारि-फज्झति, अन्य अवगुण केर भर्त्सना, उपहास अथवा अन्य माध्यमसँ गंजन कयल जाइछ, कखनो एकर उद्देश्य सुधारात्मक रहैत छैक। साहित्य एवं ताहूमे नाटक एकर मुख्य संवाहक होइछ मुदा ई सिनेमा, दृश्यकाव्य एवं राजनीतिक कार्टून द्वारा सेहो प्रचारित कयल जाइत अछि। होरेसक मतानुसार व्यंग्यकार एक भद्र पुरुष एहि विश्वक होइछ जे सर्वत्र अधलाह कार्य पर दृष्टि रखैत अछि मुदा ई विनम्र हास्यक बदला क्रोध सेहो उत्पन्न करैत अछि।

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 10

(i) अनुलोम

(ii) मूक

(iii) शुक्ल

(iv) स्थूल

(v) प्रवृत्ति

(b) निम्नलिखित शब्दयुगलमे भेद स्पष्ट करू : 10

(i) अड़ाँच—अड़ाँची

(ii) कलोल—कल्लोल

(iii) गत—गात

(iv) ढ़ेसी—ढ़ेही

(v) तम—ताम

(c) निम्नलिखित लोकोक्तिकें वाक्यमे प्रयोग करू : 10

(i) उठान हारब

(ii) बिनु पेनक लोटा

(iii) कान काटब

(iv) तीनमे की तेरहमे

(v) पट्टी पढ़ाएब

(d) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 10

(i) स्मृति जननिहार

(ii) सब दिन चलनिहार व्रत

(iii) जकरा लगले फूरि जाइक

(iv) आगाँ जन्म लेनिहार

(v) पातक बनल कुटी

★ ★ ★

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित कोनो एक विषय पर लगभग *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) युवामे बढ़ैत असहिष्णुता

(b) असफलता सफलाताक प्रथम सीढ़ी थिक

(c) पढ़बाक आदत समाप्त भऽ रहल अछि

(d) अन्धविश्वासक विरोधमे संघर्ष और समाज

2. निम्नलिखित गद्यांशकें ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : 12×5=60

रिपोर्ट कहैत अछि जे भारतवर्षक महाविद्यालयसँ उत्तीर्ण भेनिहार 80 प्रतिशत लोक बेरोजगार छथि। युवा-पीढ़ीक सम्पर्कमे रहनिहारमेसँ एक, हम मुदा एहि आँकड़ासँ असहमत छी। युवावर्गक सम्पर्कक आधार पर हम मात्र एतेक कहि सकैत छी जे लगभग 90 प्रतिशत युवाक बेरोजगारीक कारण थिक हुनक अस्पष्ट और उत्तरदायित्वहीन दृष्टिकोण। वर्तमानमे युवावर्ग, कतहुँ पार्श्वमे रहैत गलतिक आरम्भ अशिष्ट आचरणसँ भरल आत्मविश्वाससँ करैत छथि। ओ बिना किछु प्रयास कयने अति धन कमाबय चाहैत छथि।

एकर अर्थ ई नहि जे हुनकामे क्षमताक अभाव अछि, ओ बढ़ियाँ अंग्रेजी बाजि सकैत छथि और अपना संबंधमे अति विश्वाससँ भरल छथि। ओ नवीनतम रिंग-टोन, सिनेमा और चुटकुलाक जानकार छथि मुदा जखने कियो थोड़ेक आगाँ बढ़ैत अछि तऽ ओ अपन रिक्त आँखिसँ हमरा दिस देखय लगैत छथि। ओ बहुत पैसा अर्जित करय चाहैत छथि, जाहि लेल मीडिया-हाइप और नियमित प्रकाशित होमय बला वेतन-सर्वेके धन्यवाद, मुदा हुनका ओ दक्षता नहि छनि, जे एहि प्रकारेँ धन अर्जित करबामे हुनक सहयोगी होनि। हुनक डिग्रीक सम्मान करैत स्नातक-स्तरक विषयक प्रश्न जौं हुनकासँ पूछल जाय तऽ अधिकांश विचलित भऽ जाइत छथि। विषयक अतिरिक्त हुनका कोनहुँ विषयक जानकारी नहि रहैत अछि अथवा ओ पढ़ैत नहि छथि। मुदा एतय किछु प्रश्न और अछि। सदाचार और व्यवहारक संबंधमे प्रश्न, अहाँमे और की बढ़ियाँ अछि, अहाँ अपन अतिरिक्त समय कोना व्यतीत करैत छी, और तखन एहन आश्वस्त लड़का-लड़किकसमूह हमरा एहि संशयसँ ग्रसित देखाइ पड़ैत छथि—हमरा एहि प्रश्नक की उत्तर देबाक चाही? हुनका कहब उचित नहि अछि जे ई हुनक अपन जिन्दगी थिक और हुनका अपना संबंधमे हमरा स्वयं कहय चाहियनि। कियैक तऽ ओ हरदम बनल-बनायल उत्तर देमय चाहैत छथि, एहन भाव रहैत छनि जेना हुनका एहिसँ मुक्ति देल जाय। ओ कहैत छथि जे—"जौं हम पर्याप्त मात्रामे अभ्यास करब तऽ एहन अवश्य प्रमाणित कऽ देब।" एवम् प्रकारेँ युवावर्ग लोलुप पाठक, गिटार-वादक, स्टार-बल्लेबाज और एतेक धरि जे माली धरि भऽ जाइत छथि। हमरा आश्चर्य होइत अछि, जौं कोनो नासमझ भेंटकर्त्ता हुनक आधा-अधुरा कथा पर विश्वास करैत अछि तऽ।

यद्यपि भारतवर्ष आगाँ बढ़ि रहल अछि और हमरा समक्ष एहन उत्तरदायित्वहीन पीढ़ी तैयार अछि, जकर एकमात्र लक्ष्य बिना प्रयासक बढ़ियाँ जिन्दगी जियब अछि। एना प्रतीत भऽ रहल अछि जे हम एहन फौज निर्मित कऽ रहल छी, जे बिना किछु दर्शन, बिना वचनबद्धता या सदाचारसँ भरल अछि। अपन चमड़ीके बचायब और किछु उपयुक्त करबामेसँ कोनो एकटाक चुनाव करय हेतु कहला पर, अधिकांश युवाक जवाब वस्तुतः अपनाकेँ बचायब होयत। एना मानल जाइत अछि जे जखन हम युवा रहैत छी तऽ हमरा भीतर किछु आदर्शवाद विद्यमान रहैत अछि, यद्यपि हमर विचार ठोस नहि होइत अछि तथापि हम कोनहुँ प्रयोजनक प्रति ठाढ़ रहबाक इच्छुक तऽ रहैत छी। आई-काल्हि युवावर्गमे कोनहुँ प्रयोजनक प्रति भावावेश नहि अछि। एहि पीढ़ीक अत्यन्त पूर्वाभ्याससँ विनिर्मित उत्तर सुनि हम बुझैत छी जे नव मंत्र मात्र रुपया थिक। एकर अतिरिक्त जोँ और कियो किछु महत्त्वपूर्ण बात कहैत छथि तऽ ओ पुरातन थिक।

(a) ओ की कारण थिक जाहिसँ युवा रोजगार हेतु अयोग्य छथि?

(b) वर्तमानमे युवा लेखकसँ की अपेक्षा रखैत छथि?

(c) लेखकक अनुसार, वर्तमानमे युवा पीढ़ीक एकमात्र प्रयोजन की थिक?

(d) आजुक युवाक बीच विचारणीय नव मंत्र की थिक?

(e) वर्तमान युवा पीढ़ीक आदर्शवादक प्रति की दृष्टिकोण अछि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मात्र एक-तेहाइ शब्दमे लिखू। शीर्षकक उल्लेख करबाक प्रयोजन नहि अछि। संक्षेपण अपन भाषामे लिखू : 60

रक्षा क्षेत्रमे विदेश पर निर्भरता कम करब और आत्मनिर्भरता प्राप्त करब सामरिक और आर्थिक दुनू कारणसँ वर्तमानमे विकल्पक अपेक्षा आवश्यकता थिक। अतीतमे सरकार हमर सशस्त्र बलक आवश्यकता पूर्ण करबाक हेतु आयुध निर्माण कयलक और सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रमक रूपमे उत्पादन क्षमताक निर्माण कलयक। यद्यपि, विभिन्न रक्षा उपक्रमक उत्पादन क्षमताकेँ विकसित करबाक लेल भारतमे निजी क्षेत्रक भूमिका बढ़यबा पर बल देबाक आवश्यकता अछि। विभिन्न वस्तुक निर्माणकेँ बढ़ावा देबाक हेतु 'मेक इन इन्डिया' सदृश महत्त्वपूर्ण पहल कयल गेल अछि। अन्य वस्तुक अपेक्षा रक्षा उपकरणक घरेलू उत्पादनक अधिक आवश्यकता अछि, कियैक तऽ एहिसँ नहि मात्र बहुमूल्य विदेशी मुद्राक बचत होयत, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षाक चिन्ताकेँ सेहो दूर कयल जा सकत।

रक्षा क्षेत्रमे सरकार एकमात्र उपभोक्ता थिक। अतः 'मेक इन इन्डिया' हमर खरीद नीति द्वारा संचालित होयत। सरकारक घरेलू रक्षा उद्योगकेँ बढ़ावा देबाक नीति, रक्षा खरीद नीतिमे नीक जकाँ परिलक्षित होइत अछि। जतय 'बाइ एंड मेक

इन्डियन' तथा 'बाइ इन्डियन' श्रेणिक बाइ ग्लोबलसँ पूर्व स्थान अबैत अछि। आबय बला समयमे आयात दुर्लभसँ दुर्लभतम भेल जायत और आवश्यक व्यवस्थाक निर्माण और विकासक हेतु सर्वप्रथम अवसर भारतीय उद्योगकेँ प्राप्त होयत। भनहिं वर्तमानमे भारतीय कम्पनिकेँ प्रौद्योगिकीक संबंधमे पर्याप्त क्षमता नहि होमय, ओकरा विदेशी कम्पनिक संग संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी हस्तांतरणक व्यवस्था और गठबंधन हेतु प्रोत्साहित कयल जाइत अछि।

एखन धरि रक्षा क्षेत्रमे घरेलू उद्योगक प्रवेश हेतु लाइसेन्स और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रतिबन्ध आदिक सन्दर्भमे कतेक बाधा छल। रक्षा विनिर्माणक क्षेत्रमे निवेशक प्रक्रियाकेँ आसान बनयबाक हेतु आब कतेको नीतिकेँ उदार बनाओल गेल अछि। सभसँ महत्त्वपूर्ण रक्षा क्षेत्रमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकेँ बढ़ावा देबाक हेतु एफ० डी० आइ० नीतिकेँ उदार बनाओल गेल अछि। लाइसेन्स नीतिकेँ सेहो उदार बनाओल गेल अछि और आब घटक, हिस्सा-पुर्जा, काँच-माल, परीक्षण उपकरण, उत्पादन मशीनरी आदिकेँ लाइसेन्सक क्षेत्रसँ बाहर राखल गेल अछि। जे कम्पनि एहि प्रकारक वस्तुक उत्पादन करय चाहैत अछि, आब ओकरा लाइसेन्सक आवश्यकता नहि होयत।

रक्षा क्षेत्रमे घरेलू और विदेशी दुनू निवेशक हेतु एकटा पैघ अवसर उपलब्ध अछि। एक दिस जतय सरकार निर्यात, लाइसेन्सिंग, एफ० डी० आइ० सहित निवेश और खरीद हेतु नीतिमे आवश्यक परिवर्तन कऽ रहल अछि, ओतहिं उद्योगकेँ सेहो आवश्यक निवेश और प्रौद्योगिकीक संबंधमे उन्नयन करबाक चुनौतीकेँ स्वीकार करबाक हेतु समक्ष अयबाक चाही। रक्षा एकटा एहन क्षेत्र थिक जे नवाचारसँ संचालित होइत अछि और जाहिमे भारी निवेश और प्रौद्योगिकीक आवश्यकता अछि। वस्तुतः उद्योग के सेहो अस्थायी लाभक अपेक्षा विस्तृत अवधि हेतु सोचबाक मानसिकता बनबय पड़त। हमरा अनुसन्धान विकास तथा नवीनतम विनिर्माण क्षमता पर अधिक ध्यान देमय पड़त। सरकार, घरेलू उद्योग हेतु एकटा एहन पारिस्थितिकी प्रणाली विकसित करबाक हेतु प्रतिबद्ध अछि, जाहिसँ ओ सार्वजनिक और निजी दुनू क्षेत्रमे बराबरक स्तर पर व्यावसायिक उन्नति कऽ सकय।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

अरब देशक बेसी हिस्सा रेगिस्तान अछि। एतय चारु दिस रेत और चट्टान अछि। रेत अथवा बाउल एतेक गर्म होइत अछि जे दिनमे खाली पैर अहाँ ओहि पर चलि नहि सकैत छी। रेगिस्तानमे एम्हर-ओम्हर पानिक स्रोत अछि, जे धरतीक बहुत नींचा प्रवाहित होइत अछि, ओ एतेक नींचा अछि जे सूरज सेहो ओकरा सोखि नहि सकैत अछि। अछि तऽ ओहन स्रोत बहुत कम, मुदा जतय कतहुँ कोनो एकहुटाँ स्रोत अछि ओतय नम्हर गाछ होइत अछि और ओ अत्यन्त सुन्दर देखाइ दैत अछि। स्रोतक चारु दिस छायादार हरियर गाछी बनबैत स्थानकेँ नखलिस्तान कहल जाइत अछि।

अरबवासी जे शहरमे निवास नहि करैत छथि, बरख-भरि रेगिस्तानेमे रहैत छथि। ओ तम्बुमे रहैत छथि, जे आसानीसँ गाड़ल और उखाड़ल जा सकैत अछि, जाहिसँ ओ एक नखलिस्तानसँ दोसर नखलिस्तान धरि अपन भेड़, बकरि, उँट और घोड़ाक लेल घास-पानिक हेतु जा सकैत छथि। रेगिस्तानवासी अरब खूब पाकल अंजीर और खजूर खाइत छथि, जे खजूरक गाछमे फड़ैत अछि। ओ ओकरा सुखाबैत छथि और भरि बरख खाद्य पदार्थक रूपमे ओकर उपयोग करैत छथि।

एहि अरबवासी लऽग संसारक सर्वोत्तम घोड़ा रहैत अछि। एकटा अरबवासी अपन सवारी घोड़ाक कारणेँ अपनाकेँ गौरवान्वित अनुभव करैत अछि और घोड़ाकेँ अपन पत्नी और बच्चा सदृश प्रेम करैत अछि। उँट तऽ ओकर अत्यन्त सुन्दर घोड़ासँ बेसी उपयोगी अछि, अत्यन्त विशाल और ताकतवर सेहो। एकटा उँट लगभग दूटा घोड़ासँ बेसी सामान उठा सकैत अछि। अरब लोकनि अपन उँटकेँ सामानसँ खूब लादैत छथि और रेगिस्तानमे मीलक मील सवारी सेहो करैत छथि। जेना ओ सच्चेमे 'रेगिस्तानक जहाज' होमय। बेसी काल ओकरा अहिना सम्बोधित कयल जाइत अछि।

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

Language and communication are something that children learn by talking to one another. But schools consider this an act of indiscipline. Instead, we have a special grammar class to learn language! One educationist remarked, "It is nice that children spend just a few hours at school. If they spend all 24 hours in schools, they will turn out to be dumb!" In most schools, teachers talk, children listen. The same is true for other skills also. Children learn a great deal without being taught, by tinkering and pottering on their own.

Changes in the school system, if they are to be of lasting significance, must spring from the actions of teachers in their classrooms, teachers who are able to help children collectively. New programmes, new materials and even basic changes in organizational structure will not necessarily bring about healthy growth. A dynamic and vital atmosphere can develop when teachers are given the freedom and support to innovate. One must depend ultimately upon the initiative and respectfulness of such teachers and this cannot be promoted by prescribing continuously and in detail what is to be done.

In education, we can cry too much about money. Sure, we could use more, but some of the best classrooms and schools I have seen or heard of, spend far less per pupil than the average in our schools today. We often don't spend well what money

we have. We waste large sums on fancy buildings, unproductive administrative staff, on diagnostic and remedial specialists, on expensive equipment that is either not needed, or underused or badly misused, on tons of identical and dull textbooks, readers and workbooks, and now on latest devices like computers. For much less than what we do spend, we could make our classrooms into far better learning environments than most of them are today.

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) अनुकूल

(ii) उत्कृष्ट

(iii) आत्मवादी

(iv) उत्कर्ष

(v) परमार्थ

(b) निम्नलिखित शब्दयुगलमे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10

(i) जड़–जर

(ii) तप–ताप

(iii) चालि–चाली

(iv) चानि–चानी

(v) पुरान–पुराण

(c) निम्नलिखित लोकोक्तिकेँ वाक्यमे प्रयोग करू : 2×5=10

(i) कनही गायक भिन्ने बथान

(ii) कारी अक्षर महिस बरोबरि

(iii) गदहा खसलाह स्वर्गसँ, रुसलाह गामक लोकसँ

(iv) चट मँगनी पट बिआह

(v) चोर कतहु इजोत सहय

(d) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) जे कम बाजय

(ii) जे पालन करय

(iii) जकर दमन कठिन हो

(iv) जाहि पुरुषक पत्नी नहि हो

(v) सत्य बजनिहार

★★★

CS (MAIN) Exam:2016

CS (MAIN) Exam:2016

M–ESC–CU–MTL

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

मैथिली

(अनिवार्य)

समय : 3 घंटा	पूर्णांक : 300

प्रश्नपत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व देल गेल निर्देशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ू

सभ प्रश्न अनिवार्य अछि।

प्रत्येक प्रश्न/भागक अंक ओकरा सामने अंकित अछि।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखू, जाधरि कि प्रश्नमे कोनो दोसर निर्देश नहि हो।

प्रश्नमे शब्दक संख्याक ध्यान राखू, अधिक वा कम शब्दमे उत्तर लिखला पर अंक काटल जा सकैत अछि।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिकामे रिक्त छोड़ल स्थानकेँ स्पष्ट रूपसँ अवश्य काटि दी।

1. निम्नलिखित कोनो **एक** विषय पर लगभग *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) संस्कृति किऐक महत्त्वपूर्ण अछि?

(b) स्मार्ट नगर आ अनस्मार्ट नागरिक

(c) न्यायिक सक्रियता (activism) बनाम न्यायिक असीमितता (overreach)

(d) स्कूली बच्चामे धरोहरक (विरासत) प्रति श्रद्धा

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : 12×5=60

ई कहल जाइत छैक जे स्त्री आधा आकाश छापि लेलक अछि। एहिमे संशोधन कए एना कहि सकैत छी जे ओ एहिसँ अधिक स्थानक अधिकारी अछि। तथापि, प्रत्येक देशक विभिन्न कालक इतिहासमे, संस्कृति ओ परम्परा, क्षेत्र, धर्म, जाति, वर्ग, श्रेणी, नस्ल, वर्ण, वैविध्यपूर्ण अतीत एवं वर्तमानमे सेहो स्त्रीक जीवनकेँ प्रत्येक क्षेत्रमे पुरुषसँ कम महत्त्व देल गेलैक अछि। ओकरा संग निरन्तर भोजन, कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकासमे प्रतिभागी होयबाक अवसर, नेतृत्व आ अपन महत्त्वाकांक्षाकेँ साकार करबाक अवसर देबामे भेद-भाव कयल जाइत रहलैक अछि। ओ सही अर्थमे विश्वक सभसँ विशाल 'अल्पसंख्यक' कहल जा सकैत छथि।

पितृसत्तात्मक व्यवस्था स्त्रीकेँ एकटा व्यक्तिक रूपमे नहि देखैत छैक, जकर अपन निज पहचान होइक ओ एकटा व्यक्तिक रूपमे, सम्पूर्णतामे सेहो नहि देखल जाइत अछि। ओकर अपन सम्मान, स्वायत्तता छैक, ओ सम्मानक अधिकारिणी अछि आ सामाजिक व्यवस्थामे, कानूनमे एवं संस्थामे ओकरा समान अधिकार देल गेल छैक। एहि सभक अतिरिक्त ओ पुरुषक एकमात्र ओहन औजारक रूपमे देखल जाइत अछि, बूझल-भानल जाइत अछि जे पीढ़ीकेँ आगाँ बढ़ा सकय, सेवा-भाव राखय, यौनतृप्तिक पूर्तिक साधन आ परिवारक सामान्य सम्पन्नताक वाहक रूपमे मान्य अछि। स्त्रीक सांस्कृतिक स्वीकृति केवल एहि रूपमे छैक जे ओ कोनो पुरुषक पुत्री, पत्नी अथवा माय अछि। एकर अतिरिक्त ओकर अन्य कोनो पहचान नहि छैक आ निज पहचान, अस्तित्व नहि रहबाक कारणेँ ओकरा हेय दृष्टिसँ देखल जाइत छैक।

एसकरि स्त्री एहि वृत्त/परिधिसँ बाहर बुझाइत छथि। एहि श्रेणीमे ओ सभ सम्मिलित छथि जे सांस्कृतिक रूपसँ स्वीकार्य विवाहयोग्य अवस्थाक छथि—मुदा एखन धरि अविवाहित छथि अथवा जे विधवा छथि, तलाक दए देल गेल छैक या लए नेने अछि। पुरुषक सुरक्षा परिधिसँ बाहर रहनिहारि स्त्रीकेँ समाज सम्मानक दृष्टिसँ नहि देखैत छैक। ई असम्मान तखन और बढ़ि जाइत छैक जखन ओ पुरुषक सुरक्षा वृत्तकेँ अस्वीकारि दैत छैक अथवा ओ अपन जीवनसंगीकेँ दुघर्टना अथवा बीमारीक कारण गमा चुकल छैक। पुरुषकेँ सर्वाधिक द्वेष ओहि स्त्रीसँ होइत छैक जे ने मात्र एसकरि रहैत अछि आ ने पुरुषक छाहरिसँ भिन्न अपन अस्मिताक संग जीवन बितबैत अछि।

सर्वाधिक विकसित देशक महिला सेहो 60–80 प्रतिशत धरि भोजन बनबैत छथि और विश्वक आधा भोज्य पदार्थक उत्पादनकर्त्ती होयबाक श्रेय सेहो हुनके छनि। सांस्कृतिक रूपसँ सेहो यदि देखल जाय तँ अधिकांश घरमे स्त्रीए भोजन-प्रदाता अछि। तथापि भारतवर्षक सामाजिक-सांस्कृतिक परम्परा ई सुनिश्चित करैत छैक जे स्त्री कम मात्रामे भोजन ग्रहण करैत छथि आ प्रायः एहनो भ' जाइछ जे स्त्रीक लेल भोजन बचिते नहि छैक। एहन घर जतय पर्याप्त मात्रामे भोजन त' छैक, मुदा ओतय सेहो स्त्रीकेँ पौष्टिक भोजन नहि भेटैत छैक। एसकरि स्त्री सेहो सामाजिक बन्धन आ अतिरिक्त भेद-भावक कारणेँ एहि श्रेणीमे आबि जाइत अछि, जखन कि ओ एसकरि अपन बल पर दुनियाँमे संघर्ष कए रहलि अछि।

भारत ओहन देशमेसँ एक अछि, जतय पुरुषक तुलनामे स्त्रीक संख्या कम छैक। देशक जनसंख्यामे ओकर प्रतिशत विगत शताब्दीसँ निरन्तर कम भए रहल छैक। 2001 क जनगणनासँ ई ज्ञात भेलैक अछि जे प्रत्येक 1000 पुरुषक समानान्तर 933 स्त्री छैक। यदि पुरुष जकाँ स्त्रियोकेँ समान जीवन-यापनक अवसर प्राप्त होइक, संग-संग ओकर स्वास्थ्य और पोषणक ध्यान राखल जाइक त' ई संभावना बढ़ि जयतैक जे पुरुष और स्त्रीक संख्या समान भए जायत। सम्प्रति 2001 मे पुरुषक अपेक्षया स्त्री 3 करोड़ 50 लाख कम रहैक। ई अनुपात 2011 क तुलनामे किञ्चित् सुधरलैक, अर्थात् 933 क अपेक्षाकृत 940 भ' गेलैक। एक पैघ चिन्ताक विषय ई अछि जे 2001 मे 6 वर्ष धरिक नेनामे बालकक संख्या बालिकाक तुलनामे, जन्मदर 927 पर आबि गेलैक आ, 2011 मे पुनः कम भ' कए 914 रहि गेलैक। एहि आँकड़ासँ ज्ञात होइत अछि जे सामाजिक और सांस्कृतिक विसंगति एवं विकसित तकनीकक कारणेँ निरन्तर स्त्रीक जीवन जीबाक अवसर न्यून होइत जा रहल छैक। कहल जा सकैत अछि जे भारतीय समाजमे नियमित रूपसँ लाखक लाख कन्या एवं स्त्रीकेँ मारल जा रहल छैक।

(a) जनगणनाक आँकड़ा बालिका आ स्त्रीक सम्बन्धमे की संदेश दैत अछि?

(b) भोजन एवं स्त्रीक सन्दर्भमे प्राप्त होमए वला असमानताक विडम्बना की अछि?

(c) "ई तर्क कएल जा सकैत अछि जे स्त्रीक आधासँ अधिक आकाशमे छाएल छथि।" एहि कथनसँ लेखकक की अभिप्राय छनि?

(d) पितृसत्तात्मक समाजमे कोना स्त्री मात्र औजारक रूपमे रही गेल अछि?

(e) लेखकक अनुसार एसकरि स्त्रीकेँ अपना समाजमे कोना आसानीसँ क्षति पहुँचाओल जा सकैत छैक?

3. निम्नलिखित अनुच्छेदक सारांश लगभग एक-तिहाई शब्दमे लिखू। एकर शीर्षकक उल्लेख करब आवश्यक नहि अछि। सारांश अपनहि शब्दमे लिखू : 60

हमरा सभमेसँ अधिकांश लोक एहि बातसँ सहमत होएताह जे विश्वसनीय होएब प्रशंसनीय अछि। हम अपन परिवारक प्रति, मित्रक प्रति तथा अपना देशक प्रति विश्वसनीयताक अनुशंसा करैत छी। वास्तवमे एहि सभ व्यक्तिगत लोक तथा समूहक प्रति हमरा वफ़ादार होएबाको चाही जकरा प्रति हम आभारी होइत छी। जखन हम विश्वासक गप्प करैत छी त' हमर अभिप्राय ई होइत अछि जे जखन ओ कठिनाईमे अथवा कोनो विपदामे हो त' हम ओकर सहायताक लेल प्रस्तुत रहियैक। संगहि प्रतिक्षण हम ओकर भलाईमे अभिरुचि रखियैक।

आम तरहेँ ई हो स्पष्ट रूपसँ पाओल जाइत अछि जे कियो व्यक्ति विवश तखन होइत अछि जखन ओ अपन माता-पिताक प्रति उदासीन रहैत अछि अथवा ओ अपना देशक सेनाक विरुद्ध विद्रोह करैत अछि आ अपन देशक लोककेँ अन्धाधुन मरघट धरि पहुँचबैत अछि। एहि प्रकारक लोककेँ हम अधिकांशतः अनुमोदित नहि करैत छी।

मुदा, अनेकों बेर एहन स्थिति उत्पन्न भए जाइत छैक जखन एहन निर्णय करब कठिन भए भए जाइत छैक जे के विश्वासी अछि आ के कृतघ्न। एक चतुर बच्चा अपन माता-पिताकेँ शिक्षा छोड़ि कए धन कमएबाक आग्रहक विरोध कए सकैत अछि। ओकर ई विश्वास छैक जे ओ अपन शिक्षाकेँ किछु आर वर्ष धरि चलबैत भविष्यमे अपन माता-पिताकेँ आर अधिक नीक जकाँ किछु वापस दए सकैत अछि। जँ ओ अपन शिक्षाकेँ स्थगित कए दैत अछि त' ओकर प्रतिभा विनष्ट भए जएतैक आ ओकर लाभ ककरो नहि भेट सकैत अछि।

किछु अपत्पनीय लोकें एहि प्रकारक निर्णय लेमय वला लड़का-लड़कीक निन्दा करताह। मुदा आमतरहें एहि प्रकारक बच्चा यदि कर्त्तव्यनिष्ठ एवं संवेदनशील हो त' ओकर सहायता करबाक चाही आ ओकरा प्रोत्साहितो कएल जएबाक चाही, नहि कि ओकर आलोचने कएल जएबाक चाही। दोसर दिस किछु विशिष्ट परिस्थितिमे जँ कियो बच्चा अपन गरीब माता-पिताक सहायता सम्बन्धी आग्रहकें ठोकरा दैत अछि त' ओकरा कृतघ्न बुझल जाइत छैक। जँ ओ भविष्यमे सफलता प्राप्त करैत अछि त ओ अपन युवावस्थाक कृतघ्नता पर प्रायश्चित करैत अछि।

कखनो काल कए ई समस्या तखन गम्भीर भए जाइत अछि जखन कोनो व्यक्तिकें अपन देशक सरकारसँ जोड़ि कए एहि सम्बन्धमे देखल जाइत अछि। अपना देशमे गम्भीरता आ दायित्वक निर्वहनक संग रहए वला लोकक ओ समूह, जे अपना देशकें प्रसन्न एवं समृद्ध देखए चाहैत अछि। कखनो कालक सरकार विरुद्ध ई सोचिकए कए विद्रोह कए दैत अछि जे ओ सरकार निकम्मा अछि। ओकरा लग ओहि सरकारकें खसैबाक अतिरिक्त कोनो अन्य विकल्पो नहि छैक। एहेन लोककें सरकार तत्काल विद्रोही आ प्रपंची घोषित कए दैत छैक। भए सकैत अछि जे ओ विद्रोही हो, मुदा ओकरा प्रपंचक कहब उचित नहि लगैत अछि। भए सकैत अछि जे ओ समूह अपन देशवासीक प्रति अधिक विश्वासी हो, संगहिं ई हो जे ओ सरकारक प्रति विश्वासी हो।

दुर्भाग्यसँ ता धरि ई कहब बहुत कठिन अछि कि ओहि समूहक विद्रोह देशक प्रति विश्वास कारणें प्रेरित हो अथवा ओकर निजी स्वार्थक कारणें। जखन कि ओ विद्रोह सफल नहि भए जाए। तखन ई प्रश्न उठैत अछि कि जा धरि विद्रोह सफल भए जाए, आ नव सरकार नहि बनाली, त' कि ओ ई स्वीकार कए लेताह जे देशक समस्त जनसंख्या आ सभ राजनीतिक शत्रुओक किछु अधिकार अवश्य छैक, जेना अपन मतक पूर्ण आजादीसँ प्रस्तुत करबाक अधिकार आ लोकप्रिय सहमति जुटएबाक प्रयत्नक अधिकार अथवा ओ समूह जे अपन शक्तिक उपयोग राजनीतिक शत्रुकें समाप्त करवामे कए रहल छथि। जँ ओ पहिल आचरण कए रहल छथि त' बुझू जे ओ अपन देशक प्रति पूर्ण विश्वासी छथि; नहि कि ओ अपन समूहकें लाभक प्रति विश्वासी छथि आ जँ ओ दोसर प्रकारक आचरण कए रहल छथि त' हमरा लोकनिकें ई बूझक चाही कि ओ जाहि सरकारकें खसा कए आयल छथि, ताहूसँ अधिक विश्वास देशक प्रति ओहो नहि कए रहल छथि। ई बोध हमरा लोकनिकें अत्यधिक विलम्बसँ होइत अछि।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

एकटा अमीर शेख जखन अपन जहाजमे यात्रा कए रहल छल, तखने खूब भयंकर तूफ़ान उठि गेलैक। जहाज पर एकटा दास (Slave) जे पहिने समुद्री यात्रा नहि कएने छल से डेराकए आ भयभीत भए कए जोर-जोरसँ कानए लागल। ओ कनेक काल धरि कनैत रहल ओकरा कियो चुप नहि करौलकैक। क्रोधित होइत ओ अमीर शेख बाजल—''की कियो एहिठाम नहि अछि जे एहि नीच-कायरकें चुप कए सकत?''

एकटा दार्शनिक सेहो ओहि जहाज पर यात्रा कए रहल छल। ओ अमीरसँ बाजल—''हम एहि आदमीकें चुप करा सकैत छी। महोदय, अहाँ हमरा एहि बातक अनुमति दिअ कि हम जे चाही से एकरा संग कए सकैत छी।'' अमीर बाजल—''अपनेकें अनुमति देल जाइत अछि, अहाँ जे चाही, करी।''

दार्शनिक किछु नाविककें बजौलनि आ हुनका लोकनिकें आदेश देलनि कि एहि गुलामकें समुद्रमे फेक देल जाय। नाविक लोकनि एहिना कएलनि। निरुपाय भए ओ गरीब आदमी भयवश चिकरैत अपन हाथ-पैर तेजीसँ चलाएब आरम्भ क' देलक। मुदा किछुए कालमे दार्शनिक नाविक लोकनिकें ई आदेश देलनि जे एहि गुलाम (दास)-कें जहाज पर वापस आनि लेल जाय। जहाज पर अबैत देरी पस्त आ डेराएल गुलाम एकदम चुप भए गेल। अमीर एहि आकस्मिक परिवर्त्तन पर चकित भए गेल। ओ दार्शनिकसँ एकर कारण पुछलक। दार्शनिक बाजल—''हम कखनो ई नहि बुझैत छी कि हम कोन स्थितिमे ठीक-ठाक छी जखन कि हम कोनो बत्तर स्थितिमे नहि पहुँचि जाइत छी।''

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

Man has always been fascinated by dreams. He has always tried to find explanations for his dreams. Perhaps dreams tell us about the future or the past, perhaps they tell us about our deepest fears and hopes. I don't know. Today, I want to give you a completely different explanation. But before I do so, I must give you one or two facts about dreams. First of all, everybody dreams. You often hear people say, 'I never dream', when they mean, 'I can never remember my dreams'. When we dream, our eyes move rapidly in our sleep as if we were watching a moving picture, following it with our eyes. This movement is called REM, that is Rapid Eye Movement. REM sleep is the sleep that matters. Experiments have proved that if we wake people throughout the night during REM, they will feel exhausted the next day. But they won't feel tired at all if we take them at times when they are not dreaming. So the lesson is clear : it is dreaming that really refreshes us, not just sleep. We always dream more if we have had to do without sleep for any length of time.

If that is the case, how can we explain it? I think the best parallel I can draw is with computers. After all, a computer is a very primitive sort of brain. To make a computer work, we give it a programme. When it is working, we can say it is 'awake'. If ever we want to change the programme, that is to change the information we put into the computer, what do we do? Well, we have to stop the computer and put in a new programme or change the old programme.

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक पर्यायवाची शब्द लिखू : 2×5=10

(i) झण्डा

(ii) दुर्गा

(iii) भ्रमर

(iv) वायु

(v) पार्वती

(b) निंम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) इन्द्रिय पर विजय प्राप्त कयनिहार

(ii) एक घर मात्र

(iii) व्याकरण शास्त्रक जाननिहार

(iv) एक-एक क्षण कय

(v) जे मोक्ष चाहय

(c) निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) ऐश्वर्य

(ii) वाद

(iii) घरैया

(iv) घात

(v) गुप्त

(d) निम्नलिखित शब्द-युग्ममे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10

(i) लाश-लास

(ii) बाँझ-बाँझी

(iii) नामि-नामी

(iv) पातर-पाँतर

(v) शंकर-संकर

★★★

CS (MAIN) Exam : 2017

STH–C–MTLI

मैथिली

(अनिवार्य)

समय : 3 घंटा	पूर्णांक : 300

प्रश्नपत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व देल गेल निर्देशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ू

सभ प्रश्न अनिवार्य अछि।

प्रत्येक प्रश्न/भागक अंक ओकरा सामने अंकित अछि।

उत्तर मैथिली (देवनागरी लिपि) मे लिखू, जाधरि कि प्रश्नमे कोनो दोसर निर्देश नहि हो।

प्रश्नमे शब्दक संख्याक ध्यान राखू, अधिक वा कम शब्दमे उत्तर लिखला पर अंक काटल जा सकैत अछि।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिकामे रिक्त छोड़ल स्थानकेँ स्पष्ट रूपसँ अवश्य काटि दी।

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित कोनो **एक** विषय पर *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) तकनीकक अत्यधिक प्रयोगसँ उत्पन्न खतरा

(b) धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्रक शक्ति अछि

(c) नोटबन्दीसँ भारतीय अर्थव्यवस्थाकेँ दीर्घअवधिमे होबयबला लाभ

(d) आयुर्वेद-पद्धतिक प्रति पाश्चात्य देशक आकर्षण

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : 12×5=60

मस्तिष्कक सर्वोत्तम भोजन पुस्तक अछि। एक चिन्तकक कहब अछि जे मानवजाति जे किछु सोचलक अछि, कयलक अछि आओर प्राप्त कयलक अछि, ओ पुस्तकमे सुरक्षित अछि। मानव-सभ्यता एवं संस्कृतिक विकासक सम्पूर्ण श्रेय पुस्तककेँ छैक। पुस्तकक महत्त्व आ मूल्य बेजोड़ अछि। पुस्तक अन्तःकरणकेँ दीप्तिमान करैत अछि। नीक पुस्तक मनुष्यकेँ पशुत्वसँ देवत्वक दिशि अग्रसर करैत अछि, ओकर सात्विक वृत्तिकेँ जगाकय पथच्युत होयबासँ वंचित करैत अछि आओर मनुष्य, समाज एवं राष्ट्रकेँ मार्गदर्शन करैत अछि। पुस्तकक हमरा मोन आ मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव पड़ैत छैक एवं ओ प्रेरणादायक होइत अछि।

पुस्तक मनोरंजनक क्षेत्रमे सेहो मानवक सेवा करैत अछि। एतय मनोरंजनक अभिप्राय कोनो हास-विलाससँ नहि अछि अपितु मनोरंजनक अर्थ व्यापक अछि। जे पुस्तक पाठककेँ मोहि लैत अछि आ ओकर मोनकेँ रमा दैत अछि ओ यथार्थ अर्थमे मनोरंजक पुस्तक अछि। जे पुस्तक पाठककेँ जतेक दूर धरि ल' जाइत अछि ओ ओतबे आह्लादकारी होइत अछि। ओना हलुको-फलुको साहित्यक महत्त्व कम नहि अछि। एहन साहित्य मनुष्यक तनावकेँ बहुत अंशमे कम क' दैत अछि एवं ओकर उदास मोनकेँ प्रफुल्लित क' दैत अछि।

नीक पुस्तक मनुष्यजातिकेँ ज्ञान आओर मनोरंजन प्रदान करैत अछि। विज्ञान, वाणिज्य एवं कानूनक पुस्तक मानवक ज्ञानकेँ वृद्धि करैत अछि। एकरा पढ़िकय मनुष्य अपना भीतरमे आन्तरिक शक्तिक अनुभव करैत अछि। सत्य बात तँ ई छैक जे पुस्तक हमर यथार्थ मार्गदर्शक अछि। ओ हमरा नव-नव क्षेत्रसभक आ गूढ़ रहस्यक तँ ज्ञान करबितहिं अछि संगहि चिन्तन आओर मननक लेल सेहो बाध्य करैत अछि। पुस्तक मनुष्यक असमंजसकेँ समाप्त कय दृढ़ संकल्प जगबैत अछि। गाँधीजी 'गीता'केँ मायकेर संज्ञा दैत छलाह कारण ओ हुनका प्रत्येक कठिन परिस्थितिमे मार्गदर्शन करैत छल। पुस्तक एहन मार्गदर्शक अछि जे नेतँ दंड दैत अछि, ने तमसाइत अछि आ ने बदलामे किछु मँगैत अछि मुदा संगहि अपन अमृत-तत्त्वक वितरण करबामे कोनो कंजूसी नहि करैत अछि।

पुस्तक मनुष्यकेँ यथार्थ सुख आ विश्रान्ति प्रदान करैत अछि। पुस्तक-प्रेमी सबसँ अधिक सुखी होइत अछि। ओ जीवनमे कखनो रिक्तताक अनुभव नहि करैत अछि। पुस्तक पर पूरा भरोस राखल जा सकैत अछि।

विचारक संग्राममे पुस्तके अस्त्र होइत अछि। पुस्तकमे सन्निहित विचार सम्पूर्ण समाजकें बदलि देबामे समर्थ होइछ। आइ-काल्हुक संसार विचारेक संसार अछि। समाजमे जखन कोनो परिवर्त्तन अबैत छैक अथवा क्रान्ति होइत छैक, ओकर जड़िमे कोनो ने कोनो विचारधारा होइत छैक। श्रेष्ठ पुस्तक समाजमे नवचेतनाक संचार करैत अछि आ समाजमे जन-जागरण अनबामे अपन महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वाह करैत अछि। पुस्तक पढ़लासँ मनुष्यक दृष्टिकोण व्यापक भ' जाइत अछि एवं ओकरामे उदात्त-भावना आबि जाइत छैक।

पुस्तक एहन अमरनिधि अछि जे पछिला पीढ़ीक अनुभवकें अविकल रूपमे अगिला पीढ़ी तक पहुँचा दैत अछि। एहिमे सन्निहित ज्ञानकें केओ विनष्ट नहि कय सकैछ। संक्षेपमे पुस्तकक महत्त्व अतुलनीय अछि।

(a) पुस्तककें बेजोड़ किएक मानल गेल अछि?

(b) एहि कथनसँ लेखकक की अभिप्राय अछि जे 'मनोरंजनक अर्थ व्यापक अछि'?

(c) पुस्तक हमर यथार्थ मार्गदर्शक किएक अछि?

(d) गाँधीजी 'गीता'कें मायकेर संज्ञा किएक दैत छलाह?

(e) पुस्तक समाजमे नवचेतनाक संचार कोना करैत अछि?

3. निम्नलिखित अनुच्छेदक सारांश लगभग एक-तेहाइ शब्दमे लिखू। एकर शीर्षकक उल्लेख करब आवश्यक नहि अछि। सारांश अपनहि शब्दमे लिखू : 60

श्रम संसारमे सफलता प्राप्त करबाक महत्त्वपूर्ण साधन अछि। श्रमे कयलासँ हम अपन आकांक्षासभकें पूर्ण कय सकैत छी। संसार कर्मक्षेत्र अछि अतएव कर्म कयनाइ सयह हमरासभक धर्म अछि। कोनो कार्यमे हमरा तखने सफलता भेटि सकैत अछि जखन हम परिश्रम करी।

श्रम सयह जीवनकें गति प्रदान करैत अछि। यदि हम श्रमक उपेक्षा करैत छी तँ हमर जीवनक गति रुकि जाइत अछि। अकर्मण्यता हमरा एना गछारि लैत अछि जे ओकर फन्दसँ निकलनाइ कठिन भ' जाइत अछि जखन परिश्रमी व्यक्ति सभ प्रकारक कठिनताक सामना कय आगाँ बढ़ैछ तँ चतुर्दिक् सफलता प्राप्त करैत अछि। ओ भाग्यक आश्रय नहि लैत अछि अपितु निरन्तर पुरुषार्थ करैत अछि। प्रयास कयलो पर यदि परिश्रमी व्यक्तिकें सफलता नहि भेटैत छैक तँ ओ निराश नहि होइत अछि। ओ ई जनबाक हेतु सचेष्ट रहैत अछि जे कार्यमे सफलता किएक नहि भेटल अर्थात् ओ अपन त्रुटिक मार्जन करैत अछि जाहिसँ सफलता ओकरा आलिंगन कय सकैक।

एहि संसारमे हमरा डेग-डेग पर संघर्ष कय अपन मार्ग स्वयं प्रशस्त करय पड़ैत अछि। हम कतबो शक्तिशाली आ साधन-सम्पन्न किएक ने होइ यदि परिश्रम करबासँ देहकें चोरबैत छी तँ मात्र साधन-सम्पन्नता हमरा लक्ष्य-प्राप्तिक दिशामे नहि ल' जा सकैत अछि। संसारमे जतेक महापुरुष भेलाह अछि हुनक आशातीत सफलताक जड़िमे श्रम आ शक्तिक बड़ योगदान रहल अछि।

हमर समाजमे बहुत लोक नियतिवादी अथवा भाग्यवादी छथि। एहन लोक समाजक प्रगतिमे बाधक छथि। आइ तक कोनो भाग्यवादी संसारमे कोनो महान् कार्य नहि कयलनि। बड़का-बड़का खोज, आविष्कार एवं निर्माण परिश्रमे द्वारा संभव भ' सकल अछि। हमर साधन आ प्रतिभा हमरा केवल प्रेरित करैत अछि, हमरा पथ-प्रदर्शन करैत अछि मुदा लक्ष्य तक हम मात्र श्रमक माध्यमेसँ पहुँचैत छी।

श्रम कयलासँ यश आ वैभव दुनूक प्राप्ति होइत अछि। जखन हम अपन कर्त्तव्यक पालन करबाक हेतु श्रम करैत छी तँ हमरा मोनकेँ एक अद्भुत आनन्द भेटैत छैक। अन्तःकरणक सम्पूर्ण पाप धोआ जाइत छैक आ संतोषक अनुभव होइत छैक। परिश्रमी व्यक्तिक लेल कोनो कर्मकांड महत्त्वपूर्ण नहि, अपन कर्त्तव्यपथ पर चलैत रहब सयह ओकर साधना अछि। जखन कोनो कृषक दिनभरि तिक्ख रौदमे अपन खेतमे परिश्रम करैत अछि आ संध्याकाल अपन खोपड़ीमे आनन्दमग्न भ' क' लोकगीत गबैत अछि, तँ ओहि समयमे ओकर स्वर-वितानमे दिव्य संगीतक सृष्टि होइत अछि।

शारीरिक श्रमसँ मनुष्यकेँ संतोष तँ भेंटितहिं छैक, ओकर शरीर सेहो स्वस्थ रहैत छैक। आइ-काल्हि शारीरिक श्रमक अभावक कारणेसँ मनुष्य नाना प्रकारक व्याधिसँ ग्रस्त भेल अछि। शारीरिक श्रम प्रत्येक व्यक्तिक लेल आवश्यक अछि। कहबाक आवश्यकता नहि जे शारीरिक श्रम करयबला लोक दीर्घजीवी होइत छथि। ई कहलो जाइत छैक जे स्वस्थ शरीरेमे स्वस्थ मस्तिष्कक वास रहैत छैक। ओ गंभीरातिगंभीर तथ्य सेहो सहजरूपमे ग्रहण कय लैत अछि। विषम परिस्थितिमे सेहो ओ विचलित नहि होइत अछि अपितु साहससँ ओकर सामना करैत अछि। ओ प्रत्येक समस्याक समाधान ताकि लैत अछि। मानसिक श्रमक महत्त्वकेँ बुझिये कय हमरालोकनिक ऋषि चिन्तनमे लीन रहैत छलाह एवं लोककल्याणकेँ दृष्टिमे राखि विचारशील रहैत छलाह।

श्रमक एक विशेष अर्थ सेहो छैक, एहि अर्थमे श्रम उत्पादक सेहो अछि अनुत्पादक सेहो। कृषक परिश्रमसँ खेती करैत अछि, ई उत्पादक श्रमक श्रेणीमे आयत। खेल खेलयबामे अथवा व्यायाम करबामे जे परिश्रम होइत छैक ओ अनुत्पादक श्रम कहल जायत। एहि श्रमक सेहो अपन महत्त्व छैक। गाँधीजीक कहब रहनि जे जखन श्रमे करबाक अछि तखन उत्पादक श्रम सयह किएक नहि कयल जाय। ओना गाँधीजी सभ प्रकारक श्रममे आनन्दक अनुभव करैत छलाह।

जाहि राष्ट्रक लोक परिश्रमी होइत अछि ओएह देश उन्नति करैत अछि। जापान आओर जर्मनीतँ विश्वयुद्धक विभीषिकाक असह्य कष्ट कटलाक बादो अपन पुनः निर्माण जे कय लेलक, एकर कारण ओहि ठामक लोकक परिश्रमे छैक।

निष्कर्षतः ई कहल जा सकैत अछि जे श्रम सयह जीवनक सुख अछि एवं सृजनक मूलमंत्र सेहो अछि।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन सन् 1919 ई० मे इलाहाबाद नगरपालिकाक अध्यक्षक कार्यभार ग्रहण कयलनि। ई हुनका लेल कठिन परीक्षा छल कारण ओ नगरपालिकाक अध्यक्ष तँ छलाह मुदा अंग्रेजक एहन प्रभाव आ रोब छलैक जे सामान्य भारतीय हेतु ओहि मध्य काज करब दुरुह छलैक। कार्यभार ग्रहण करितहिं टंडनजी देखलनि जे छावनीक फौजीलोकनि पानिक उपयोग करैत छथि मुदा कर नहि दैत छथि। ओ छावनीक फौजीलोकनिकेँ ई सूचना प्रेषित कयलनि यदि एक मासक भीतर कर नहि जमा कयल गेल तँ पानिक आपूर्त्ति बन्द क' देल जायत।

एहि सूचनासँ फौजी छावनी, सम्पूर्ण शहर आ नगरपालिकाक कार्यालयमे हहारो मचि गेलैक। स्थानीय अखबारबला सभ एहि आदेशकेँ प्रमुखताक संग छपलक। छावनीक पानिक आपूर्त्तिक बन्द करबाक अन्तिम दिन कतिपय फौजी अधिकारीलोकनि नगरपालिकाक कार्यालयमे पहुँचलाह आ ओहिमेसँ वरिष्ठ अधिकारी टंडनजीकेँ कहलकनि जे अहाँ छावनीक जलापूर्त्ति बन्द नहि कय सकैत छी। टंडनजी शांत भावसँ कहलथिन यदि आइ कर जमा नहि कयल गेल तँ काल्हि पानिक कनेक्सन काटि देल जायत।

अधिकारी क्रोधावेशमे हल्ला-गुल्ला कयलनि मुदा टंडनजी लेल धनसन। अन्ततः सभ फौजी अधिकारी ओतयसँ चल गेलाह। कार्यालयमे सनसनी पसरि गेल। टंडनजीक धीरता आ दृढ़ता देखि सभ अचम्भित छलाह।

दोसरे दिन छावनीक अंग्रेज अधिकारी कर जमा कय देलनि।

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

In ancient times in most civilized countries, for example in Egypt, Iraq, India, China and in the Roman Empire, many great irrigation works were constructed. In very hot countries, water is even carried in underground channels to prevent it from being evaporated by the sun's heat. In modern times, great dams have been built across rivers and these are used for more than one purpose, hence they are called multipurpose undertakings. Firstly, such dams help to prevent floods, by controlling the amount of water which rushes down a river in the rainy season. This also prevents an enormous amount of damage and loss to farmers. Secondly, by storing up great quantities of water in the artificial lakes behind the dams, irrigation can be provided for many acres of land in the dry season, so that crops can be grown where none would have grown before. Thirdly, the people in the towns and cities in the neighbourhood can be certain of getting a sufficient supply of water for drinking and other purposes, even in the driest weather. Fourthly, the water stored up behind the dams is made to generate electric power by letting it run through turbines.

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक पर्यायवाची शब्द लिखू : 2×5=10

(i) सूर्य

(ii) घोड़ा

(iii) महादेव

(iv) राति

(v) किरण

(b) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) जे विषय विचारलेल छोड़ि देल गेल हो

(ii) जे कहल नहि जा सकय

(iii) जे कहियो नहि भेल हो

(iv) जे सभ ठाम व्यापक हो

(v) जकर उल्लेख कयल जा सकय

(c) निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) अतिवृष्टि

(ii) अनुराग

(iii) बहिरंग

(iv) आगम

(v) संकल्प

(*d*) निम्नलिखित शब्द-युग्ममे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10

(*i*) अमर-अमार

(*ii*) कचरब-कुचरब

(*iii*) कनखा-कनखी

(*iv*) गर-गढ़

(*v*) कोस-कोष

★ ★ ★

SDF–C–MTL

मैथिली

(अनिवार्य)

समय : तीन घण्टा

पूर्णांक : 300

प्रश्नपत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व देल गेल निर्देशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ू

सभ प्रश्न अनिवार्य अछि।

प्रत्येक प्रश्न/भागक अंक ओकरा सामने अंकित अछि।

उत्तर मैथिली (देवनागरी लिपि) मे लिखू, जाधरि कि प्रश्नमे कोनो दोसर निर्देश नहि हो।

प्रश्नमे शब्दक संख्याक ध्यान राखू, अधिक वा कम शब्दमे उत्तर लिखला पर अंक काटल जा सकैत अछि।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिकामे रिक्त छोड़ल स्थानकेँ स्पष्ट रूपसँ अवश्य काटि दी।

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित कोनो **एक** विषय पर *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) सर्जनात्मकताक पोषण करयवाला शिक्षाक आवश्यकता

(b) भारतमे वन्यजीवनक संरक्षणक चुनौती सब

(c) किशोर मानस पर फिल्मक प्रभाव

(d) दिव्यांग सबहक सशक्तीकरण

2. निम्नलिखित गद्यांशकें ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर आधार पर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू :

12×5=60

कतेको हजारवर्ष पूर्व तक मनुक्ख धरती पर शिकारी मात्र छल। नवपाषाण युग तक ओ कृषि हेतु बसब प्रारम्भ नहि कयने छल। दूरदराजक क्षेत्रमे भ्रमण कयने बिना ओ जमीनक जोताय कय के भोजनक आपूर्ति बढ़बयमे सक्षम भेल आओर लगातार कृषिकें उन्नति करयमे लागल रहल। आइ धरि पहिनेक तुलनामे ओ अधिक आ नीक भू-उपजा लयमे सक्षम रहल अछि। मुदा जतय तक समुद्रक सम्बन्ध अछि, ओ आइ धरि सेहो शिकारी मात्र अछि। ओ माछ आ दोसर-दोसर जल-प्राणीके पकड़ैत अछि मुदा ओकर सतत वृद्धि आ आपूर्तिक हेतु ओ प्रयत्न त' सीमित मात्र कय रहल अछि। अखन तक ओकरा लोकनिकें जलीय शिकारसँ अत्यधिक पौष्टिक प्रोटीनक प्राप्ति भेल छैक। ई भू-कृषिसँ प्राप्त प्रोटीनक आपूर्तिक पूरक अछि। मुदा दुनियाक बढ़ैत आबादीक कारणेँ मनुष्यकें शीघ्रहि समुद्रसँ एतेक बेसी प्रोटीनक आवश्यकता पड़ि सकैत छैक जाहिसँ एतेक भारी मात्रामे सदैव आपूर्ति सेहो कम पड़ि सकैत छैक, खतरामे पड़ि सकैत छैक। ताहि कारणेँ मनुक्खकें समुद्री खेतीक माध्यमसँ पर्याप्त आपूर्ति प्राप्त करबाक हेतु बहुत प्रयास करय पड़तैक।

लघु स्तर पर माछ पोसब पोखरि ओ झीलमे पहिनहिसँ सफलतापूर्वक कयल जा चुकल अछि। विशेषरूपसँ जलविद्युत् परियोजना सबहक हेतु बान्हक (बाँध) निर्माण द्वारा बनाओल गेल कृत्रिम झील सबमे ई कार्य कयल गेल छैक। पीबय (मीठ) वाला पानिक पोखरिमे माछक पैदावारसँ प्रोटीनक आपूर्तिमे पहिनेसँ अधिक वृद्धि भेल छैक। ओहिमेसँ थोड़ेककें विकास ग्रामीण समुदाय सबमे कृषि-अधिकारी लोकनिक मददि ओ पर्यवेक्षणसँ भए रहल छैक।

एक बेर माछक पोखरिकें (तालाब) परिपक्व (युवा) माछसँ समृद्ध कय देला पर माछ सबहक स्वस्थ वातावरणमे विकास संभव भए पबैत छैक ओ ओकर भोजनक पर्याप्त आपूर्ति सेहो भए जाइत छैक। पानिमे भारी संख्यामे तैरैत प्लवक—सूक्ष्मजीव ओ वनस्पति—जलीय प्राणीक मुख्य खाद्य होइत छैक। छोटका माछ सब एकरा खाइत अछि पश्चात् अपनासँ पैघ माछक भोजन बनि जाएत अछि। प्लवक पानिमे विद्यमान खनिज सबसँ विकसित होइत अछि तेँ प्लवकक (Plankton) मात्राकें पानिमे अतिरिक्त उर्वरक द्वारा बढ़ाओल जा सकैत अछि।

यद्यपि समुद्री खेती व्यवहारिक ओ लाभदायक दुनू भए सकैत अछि, मुदा एहिसँ पहिने कइएकटा समस्याकें हल करय पड़त। उदाहरणस्वरूप समुद्रक ओहि भागमे खाध (उर्वरक) देब उपयोगी नहि होएत, जतय कि समुद्रक तेज धार ओकरा मीलक-मील दूर अनुत्पादक पानिमे लय जाइत छैक। यदि माछ पोसयवाला लोक खाध (उर्वरक)कें एक निश्चित स्थान (क्षेत्र) तक सीमित कय सकय, तखनहुँ ओकरा 'अपन क्षेत्रहि'तक खाध-पोषित माछकें राखि सकवाक तरीका ताकय

पड़तैक। माछ पोसयवाला व्यक्तिकेँ अपन खर्चक अधिकतम लाभ लेबाक हेतु माछकेँ भोजन देवाक एहन तरीका ताकय पड़तैक, जाहिसँ ओ भोजन ओहि माछकेँ भेटैक जकरा ओ खुआबै चाहैत अछि। ओकरा अखाद्य जलजीव सबकेँ हटावैक (निराई) हेतु तरीका सोचय पड़तैक, जाहिसँ कि ओ ओकर माछक भोजन साझी नहि कऽ सकय।

वस्तुतः एहि समस्या सबकेँ दूर करब बहुत आसान नहि हैत—विशेषकय समुद्रक विशालताकेँ देखैत, जे धरतीक सतहक लगभग तीन-चौथाई भागकेँ छेकने छैक। समुद्रक पानि पोखरिसभ ओ झील सभक तुलनामे निरन्तर गतिमान रहैत छैक। प्रायः समस्या सबकेँ आस्ते-आस्ते (धीरे-धीरे) हल (निदान) कएल जेतैक। निकट भविष्यमे मनुक्ख (मनुष्य) महाद्वीपक लग उत्थर (उथले) अप-तटीय पानिमे लघु स्तर पर माछ-पालन शुरू कय सकैत अछि। जतय ओ एहन माछक संग्रहण कय सकैत अछि जकर उत्पादन ओ करय चाहैत अछि। अपन माछक भोजनकेँ खा जायवाला अवांछनीय जलजीवकेँ हटा सकैत अछि। आवश्यकताक अनुसार ओहि क्षेत्रमे खाधक (उर्वरकक) उपयोग कय सकैत अछि आ अंततः समय-समय पर परिपक्व माछक फसिलकेँ एकत्रित कय सकैत अछि।

(a) शिकारक तुलनामे कृषि कोन प्रकारेँ नीक छैक तथा भविष्यमे समुद्री खेती कियैक आवश्यक हेतैक?

(b) माछ-पालनमे खाधक (उर्वरकक) की भूमिका अछि?

(c) समुद्रक कोन हिस्सामे माछक पालन प्रारम्भ कएल जा सकैत अछि?

(d) 'निराई'सँ आहाँ की बूझैत छी?

(e) भविष्यमे समुद्री खेतीक समस्याक समाधान कोना कएल जा सकैत अछि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मात्र एक-तेहाइ शब्दमे लिखू। शीर्षकक उल्लेख करवाक प्रयोजन नहि अछि। संक्षेपण अपन भाषामे लिखू : 60

भारतक विशाल आबादी ग्रामीण अछि। हुनक सामाजिक-आर्थिक स्थिति ओ जीवनक गुणवत्तामे सुधारक हेतु ग्रामीण बुनियादी ढाँचामे सर्वांगीण विकासक आवश्यकता अछि। जाहिसँ समान ओ समावेशी विकासक दीर्घपोषित उद्देश्य सबकेँ प्राप्त कयल जा सकय। ग्रामीण बुनियादी ढाँचाक एक महत्त्वपूर्ण घटक पेयजल व्यवस्था अछि। पानि निस्सन्देह एक महत्त्वपूर्ण लोकहित अछि। नागरिकक माँगकेँ पूरा करक हेतु पानिक बुनियादी ढाँचाक निर्माण हेतु सार्वजनिक निवेशमे वृद्धि करवाक आवश्यकता छैक। एकटा जल-सुरक्षित राष्ट्र नहि मात्र अपन नागरिककेँ स्वच्छ ओ सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराओत, अपितु एकटा स्वस्थ ओ आर्थिक रूपसँ उत्पादक समाजकेँ सेहो सुनिश्चित करत। यद्यपि भारतक विशाल ग्रामीण आबादीक पीबैक पानिक आवश्यकताकेँ पूरा करब एकटा कठिन कार्य अछि, जकर मुख्य कारण स्थापित पेयजल आपूर्तिक क्षमतामे कमी, सामाजिक-आर्थिक विकासक निम्न स्तर, शिक्षा ओ पानिक उपयोग आ उपभोगक विषयमे जानकारीक अभाव अछि।

संविधानक अनुच्छेद 47 राज्यक सार्वजनिक स्वास्थ्यकेँ नीक बनएवाक हेतु सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करैवाक आदेश दैत छैक। स्वच्छ पेयजलक व्यवस्था, बीमारी आओर घातक घटनामे कमी आनैत अछि तथा जीवन-स्तरकेँ नीक बनएवामे मददि करैत अछि। देशक करोड़ोंक आबादीक समग्र स्वास्थ्यमे सुधारक हेतु स्वच्छ ओ सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छताक प्रावधान महत्त्वपूर्ण अछि।

निरन्तर विकास पानिक उपलब्धता ओ स्वच्छता हेतु निरन्तर प्रबन्धन सुनिश्चित करवाक आवश्यकता पर बल दैत छैक। सुरक्षित पेयजल तक पहुँचक मामलामे एहिसँ इएह तात्पर्य निकलैत अछि कि 'किओ पाछू नहि छूटि जाय' जेकि एहि वर्ष 'विश्व जल दिवस'क थीम सेहो छल। 'विश्व जल दिवस' प्रति वर्ष 22 मार्चकेँ मनाओल जाइत अछि।

सरकार ग्रामीणक हेतु सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करवाक हेतु ध्यान केन्द्रित कय रहल अछि। सरकार द्वारा समय-समय पर एहि क्षेत्रमे सोझाँ आबयवाला चुनौती सबसँ निपटवाक हेतु महत्त्वपूर्ण डेग सब उठाओल जा रहल अछि। ग्रामीण जल-आपूर्ति योजना सबहक क्रियान्वयनक हेतु अनुदान देवाक संग-संग क्रियान्वयन ओ रखरखावक तरीका (पहलू) एवं भूजल पुनर्भरण हेतु सेहो कारगर डेग उठाओल गेल अछि। किछु अन्य तरीकामे वर्षाजल संचयन सेहो छै जेकि बहुत महत्त्वपूर्ण डेग अछि एवं ग्रामीण क्षेत्रमे सतत रूपसँ सुरक्षित पेयजल आपूर्तिमे सहायक सिद्ध भए सकैत अछि।

ग्रामीण क्षेत्रमे कृत्रिम पुनर्भरण ओ वर्षाजल संचयन ढाँचाक निर्माण हेतु सरकार मास्टर प्लान पर कार्य कय रहल अछि। भारतमे एहन सफलताक खिस्सा सबहक भरमार अछि जेकि जल संचयनक हमर प्राचीन परंपरागत ज्ञान ओ विवेकक दिस आकर्षित करैत अछि।

2001 मे तमिलनाडु सरकार प्रत्येक परिवारक हेतु वर्षाजल संरक्षणक आधारभूत संरचना राखब अनिवार्य कय देलक। बैंगलोर ओ पुणे एहन नगरमे सेहो एहेन प्रयोग कएल गेल जतए आवास-समिति सब द्वारा वर्षाजल संचयन अपेक्षित अछि। दोसरो राज्य सबमे एहि प्रकारक प्रयास सब भेल।

भूजलक अति दोहन भारतवर्षमे एक मुख्य समस्या अछि। एकरा रोकवाक हेतु राज्य सरकार सब द्वारा नियामक तंत्रक आवश्यकता छैक। गम्भीर रूपसँ प्रभावित क्षेत्र सबमे अत्यधिक इनारक खोदाइ पर प्रतिबन्ध लागक चाही। पेयजलक आपूर्ति योजना सबकेँ प्रभावी बनएवाक हेतु पंचायती राज संस्था सबहक अधिक भागीदारीक आवश्यकता छैक। तत्काल पंचायती राज संस्थाक भूमिका अति न्यून अछि। ग्रामीण समुदाय, गैर-सरकारी संगठन एवं सरकारक सुविधादाता तथा सह-वित्तपोषकक रूपमे भागीदारी सफल रहल अछि, हमरा स्मरण राखक चाही कि ग्रामीण क्षेत्रमे पेयजलक उपलब्धता एवं पहुँचक दायरा बढ़ावैक हेतु हमरा ग्रामीण समुदायक सक्रिय सहयोगसँ पानिक न्यायसंगत संरक्षण ओ उपयोगक हेतु सब प्रकारक प्रयास करवाक आवश्यकता अछि।

समुदायक भागीदारी, संचालन एवं रखरखावक आर्थिक व्यवहारिकताकेँ बढ़वैत अछि। ई अन्तर्निहित समुदायकताक कारणेँ बेसी नीक रखरखाव ओ तैयार कएल गेल प्रणालीक जीवन कालकेँ सेहो बढ़वैत अछि। पीबैक पानिक स्रोत लग नहि मात्र स्वच्छता बना कय राखयमे समुदायक महत्त्वपूर्ण भूमिका छैक अपितु ओहि तरीका ओ साधनकेँ सेहो सुधारवाक छैक, जकरा द्वारा संग्रह, भंडारण ओ उपयोग करैत समय प्रदूषणसँ बचवाक हेतु पानि एकत्र कएल जाइत छैक।

ग्रामीण क्षेत्र सबमे एहि योजना सबहक प्रभावी कार्यान्वयन हेतु पंचायती राज संस्था सब, स्वयं सहायता समूह ओ सहकारी समिति सबहक माध्यमसँ समुदायक सक्रिय भागीदारीक माँग कयल जाइत छैक। ताकि 2030 तक 'हर घर जल'क लक्ष्यकेँ पूरा कयल जा सकय ओ दीर्घकालिक टिकाउ समाधानकेँ साकार कयल जा सकय।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

जखन कोनो व्यक्ति अपना आपकेँ देखैत अछि त ओ अपना बारेमे गलत अनुमान लगा लैत अछि। ओ अपन उद्देश्य मात्रकेँ देखैत अछि। बेसीतर लोक नीक उद्देश्य लय के चलैत अछि आ मानि लैत छथि कि ओ जे कोनो कार्य कय रहल छथि तकर परिणाम नीक हेतैक। कोनो व्यक्तिक हेतु अपन कार्यक तटस्थ मूल्यांकन कठिन अछि। जे भए सकैत छैक ओ प्रायः होइत सेहो छैक कि ओकर नीक उद्देश्यमे विरोधाभास उत्पन्न भए जाइत छैक। बेसीतर लोक कार्य करबाक उद्देश्यसँ अबैत छथि आ अपन कार्य तेहन ढंगसँ करैत छथि जे हुनका सुविधाजनक लगैत छनि; आ साँझकेँ सन्तुष्टिक भावना नेने घर चल जाइत छथि। ओ अपन कार्यक मूल्यांकन नहि करैत छथि। ओ अपन उद्देश्यक मात्र मूल्यांकन करैत छथि। एहन मानल जाइत अछि कि कोनो व्यक्ति अपन कार्यकेँ समयक भीतर समाप्त करवाक इच्छा रखैत अछि आ यदि एहिमे विलम्ब होइत छैक त ई ओकर नियंत्रणक बाहरक गप होइत छैक। कार्यमे देरी करबाक हुनक कोनो इच्छा नहिं रहैत अछि। मुदा यदि ओकर कार्यक तरीका वा आलस्य देरीक कारण बनैत छैक त की ई ओ जानिकेँ नहि कएल गेलैक?

समस्या ई अछि जे हम प्रायः जीवनके संग संघर्ष करय के बदला एकर विश्लेषण करय लगैत छी। लोक अपन असफलतासँ किछु सिखवाक बदला या ओकर अनुभव लेबाक वनिस्पत, ओकर कारण एवं प्रभावक चीर-फाड़ करय लागैत छथि। कठिनाय एवं समस्याक माध्यमसँ भगवान हमरा बढ़वाक अवसर प्रदान करैत छथि। तेँ जखन आहाँक उम्मीद, सपना एवं लक्ष्य चूर-चूर भए गेल हो त' कारणक भीतर जाकए अनुसंधान करू। आहाँकेँ ओकर भीतर नुकायल कोनो नीक अवसर अवश्य भेटत।

लोकक कार्यकुशलता बढ़ावैक हेतु हुनका प्रेरित करब एवं हताशासँ उबरवाक हेतु प्रत्येक नेताक लेल बराबर एकटा चुनौती भरल कार्य होइत छैक। संगठन सबमे बदलाव आनयके मामलामे एकटा नेता स्वीकृति ओ प्रतिरोधक बीचक रास्ताक खोज करैत अछि।

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

Freedom has assuredly given us a new status and new opportunities. But it also implies that we should discard selfishness, laziness and all narrowness of outlook. Our freedom suggests toil and the creation of new values for old ones. We should so discipline ourselves as to be able to discharge our responsibilities satisfactorily. If there is any one thing that needs to be stressed, it is that we should put in action our full capacity, each one of us in productive effort—each one of us in his own

sphere, however, humble. Work, unceasing work, should now be our watchword. Work is wealth, and service is happiness. The greatest crime today is idleness. If we root out idleness, all our difficulties, including even conflicts, will gradually disappear. Whether as constable or high official of the state, whether as businessmen or industrialist, artisan or farmer, each one is discharging the obligation to the state, and making a contribution to the welfare of the country. Honest work is the anchor to which we should cling if we want to be saved from danger or difficulty. It is the fundamental law of progress.

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) अनुकूल

(ii) संकल्प

(iii) आगम

(iv) उत्कर्ष

(v) अतिवृष्टि

(b) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) सत्य बजनिहार

(ii) जे सब ठाम व्यापक हो

(iii) जे कम बाजय

(iv) जकर उल्लेख कयल जा सकय

(v) जे पालन करय

(c) निम्नलिखित शब्दक पर्यायवाची शब्द लिखू : 2×5=10

(i) धरती

(ii) सूर्य

(iii) महादेव

(iv) वृष्टि

(v) राति

(*d*) निम्नलिखित शब्द-युग्ममे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10

(*i*) पातर-पाँतर

(*ii*) चालि-चाली

(*iii*) जड़-जर

(*iv*) चानि-चानी

(*v*) पुरान-पुराण

★★★